



# Stop violating our rights

The 5th issue of the newspaper "Migratory Birds" is devoted to November 20th, International Children's Rights Day, and discusses some of those rights from a different angle: our aim is to show how the right to freedom of children and teenagers is being violated and devalued.

This time, our team of teenage journalists sat around a table with the International Convention on the Rights of the Child in front of us in five languages, Farsi, Dari, Arabic, English and Greek, to ensure that everyone could read and understand it. We researched, studied and made comparisons over several days. We discussed, agreed but also disagreed about the articles of the Convention and to what extent these are being adhered to in various countries.

And so we write without fear or hesitation, referring to articles 12, 13 and 14 of the Convention, according to which children have the right to state their views freely, to seek, receive and impart ideas, and to think and express themselves freely either orally or in writing.

We write about things that concern us: how an unaccompanied minor feels in a foreign country, all alone, without his family; why a 14 year-old is forced to fight; why a child is forced into marriage; why a child is not asked before his or her photograph is published.

Forever hoping for a world free from injustice, the team of «Migratory Birds» would like to wish you: «Happy Reading».

Read the full English edition of "Migratory Birds" online at [www.ddp.gr](http://www.ddp.gr)

## توقفوا عن التعدي على حقوقنا

العدد الخامس من جريدة «طيور مهاجرة» مكرس إلى العشرين من نوفمبر، اليوم العالمي لحقوق الطفل و يقدم على وجه الخصوص حقوق من منظور مختلف. وهي التعدي وعدم إعطاء الأهمية للحريات في عمرا الطفولة والمراهقة. هذه المرة المجموعة الصحفية الشبابية جلست حول الطاولة وأمامها المعاهدة الدولية لحقوق الطفل بخمسة لغات، بالغات الفارسية، الدارسية، العربية، الإنجليزية واليونانية، حيث يكون بمستطاع الجميع أن يقرأها ويفهمها. بحثت، درست وقارنت لأيام. ناقشت، وافقت وتعارضت بالنسبة لمواد الاتفاقية ومن حيث كم تطبق هذه أو لا في الدول المختلفة.

تكتب، بدون خوف أو تردد، معتمدة على المواد 12، 13 و 14 من المعاهدة، التي وفقا لها للاطفال الحق في التعبير بحرية عن آرائهم، أن يبيحوا بأن يتعلموا وأن يفتكروا أفكار، أن يعبروا ويفكروا بحرية من خلال الكلام المكتوب أو الشفوي. تكتب وتتساءل كيف يشعر إنسان غير بالغ، وحيد، بدون أسرة في بلد أجنبية. كيف أن شاب صغير بعمر ال 14 عام يجب أن يحارب. لأي سبب يجبر طفل على الزواج. لأي سبب لا يسأل طفل قبل أن تنشر صورته.

أملين في عالم دون ظلم، مجموعة «الطيور المهاجرة» تمنى للجميع قراءة سعيدة!

## روکین ہمارے حقوق کی خلاف ورزی

اخبار "مهاجر پرندے" کا پانچواں ایڈیشن بچوں کے حقوق کے عالمی دن 20 نومبر کے لیے وقف ہے۔ بچوں کے مخصوص حقوق کو ایک مختلف نقطہ نظر سے پیش کیا جاتا ہے۔ بچوں اور نوجوانوں کی آزادی کی خلاف ورزی کے تسلسل کا خاتمہ۔ اس دفعہ نوجوان لڑکیوں کی صحافی ٹیم پانچ زبانوں فارسی، اردو، عربی، انگریزی اور یونانی میں بچوں کے حقوق لے کر بین الاقوامی کنونشن کی میز پر بیٹھ گئی تاکہ ہر کوئی اسے پڑھ اور سمجھ سکے۔ اس دن کیلئے تحقیق کریں مطالعہ اور موازنہ کریں۔ اور بات چیت کی کہ کنونشن کے مختلف ممالک نے عملدرآمد کیا گیا یا نہیں۔ وہ لکھتے ہیں کہ بچوں کو آزادانہ طور پر اپنے خیالات، بات چیت، خود کا اظہار اور اپنی رائے کا اظہار کرنے کا حق حاصل ہے۔ 12، 13، اور 14 کے معاہدے کے مطابق انہیں بغیر کسی ڈر اور بچکچاہٹ کے لکھنے اور آزادی سے سوچنے کا حق، سیکھنے اور معلومات حاصل کرنے کا حق حاصل ہے۔ وہ لکھتے ہیں کہ وہ فکر مند ہیں۔ ایک کم عمر کسی غیر ملک میں اپنے والدین کے بغیر کیسے اکیلا محسوس کرتا ہے۔ کس طرح ایک جوان آدمی 14 سال کی عمر سے لڑنے پر مجبور ہے۔ ایک بچے کی تصویر شائع کرنے سے پہلے اسے کیوں نہیں کہا جاتا۔

مهاجر پرندے کی ٹیم عوام سے امید کرتی ہے سب سے پڑھنے کی بغیر ناانصافی کے۔



Με κείμενα  
σε ελληνικά, φαρσί,  
ούρντον και αραβικά!  
With texts in greek,  
english, arabic, farsi  
& urdu language!

# STOP στην καταπάτηση των δικαιωμάτων μας

Το 5ο φύλλο της εφημερίδας «Αποδημητικά Πουλιά» είναι αφιερωμένο στην 20ή Νοεμβρίου, την Παγκόσμια Ημέρα των Δικαιωμάτων του Παιδιού, και παρουσιάζει τα συγκεκριμένα δικαιώματα από διαφορετική σκοπιά: αυτήν της καταπάτησης και υποβάθμισης των ελευθεριών της παιδικής και εφηβικής ηλικίας.

Αυτή τη φορά η εφηβική δημοσιογραφική ομάδα κάθισε γύρω από το τραπέζι έχοντας μπροστά της τη Διεθνή Σύμβαση για τα Δικαιώματα του Παιδιού σε πέντε γλώσσες. Στα φαρσί, νταρί, αραβικά, αγγλικά και ελληνικά, ώστε όλοι να μπορούν να τη διαβάσουν και να την κατανοήσουν. Ερεύνησε, μελέτησε και συνέκρινε για μέρες. Συζήτησε, συμφώνησε και διαφώνησε ως προς τα άρθρα της Σύμβασης και κατά πόσον αυτά εφαρμόζονται ή όχι στις διάφορες χώρες.

Γράφει, λοιπόν, χωρίς φόβο και δισταγμό, βασισμένη στα άρθρα 12, 13 και 14 της Σύμβασης, σύμφωνα με τα οποία τα παιδιά έχουν το δικαίωμα να εκφράζουν ελεύθερα τις απόψεις τους, να αναζητούν, να μαθαίνουν και να μεταδίδουν ιδέες, να εκφράζονται και να σκέφτονται ελεύθερα μέσα από τον γραπτό ή τον προφορικό λόγο.

Γράφει και προβληματίζεται για το πώς νιώθει ένας ανήλικος, μόνος, χωρίς οικογένεια σε μια ξένη χώρα - πώς ένας νέος μόλις 14 ετών αναγκάζεται να πολεμήσει- γιατί ένα παιδί υποχρεώνεται να παντρευτεί- γιατί ένα παιδί δεν ερωτάται πριν δημοσιευτεί η φωτογραφία του.

Ελπίζοντας σε έναν κόσμο χωρίς αδικία, η ομάδα των «Αποδημητικών Πουλιών» εύχεται σε όλους καλή ανάγνωση!



## توقف در پایمال کردن حقوق ما

چاپ پنجم روزنامه "پرندگان مهاجر" تعلق دارد به بیست نوامبر مصادف با روز جهانی حقوق کودکان، حقوق تعیین شده با هدفی متفاوت پایمال کردن و تخریب آزادی کودکانه و نوجوانان

این بار روزنامه نگاران نوجوان ما به دور میزی نشسته اند و با داشتن قرارداد جهانی حقوق کودکان به پنج زبان مختلف در رویه روی خود، به زبان فارسی، دری، عربی، انگلیسی، و یونانی به صورتی که همه بتوانند این قوانین را بخوانند و درک کنند روزها تحقیق کردند، مطالعه کردند و مقایسه کردند بحث کردند، موافقت کردند، مخالفت کردند در رابطه با ماده‌های قرارداد تا بدانند این قوانین در کشورها پیمان مورد عمل قرار میگیرند.

پس بدون ترس و شک و تردید می‌نویسند با نظر به ماده‌های دوازده، سیزده، و چهارده قرارداد، موافق با این که تمامی بچه‌ها حق دارند، با آزادی افکارشان را بیان کنند، جستجو جو کنند، یاد بگیرند و ایده‌هایشان را با دیگران قسمت کنند، به صورت نوشتاری و گفتاری بیان کنند و فکر کنند. مشکلات را می‌نویسند با موضوع چه احساسی دارد یک فرد زیر سن، تنها، بدون خانواده، در یک کشور خارجی، با موضوع چطور یک نوجوان چهارده ساله مجبور میشود تا بجنگد، با موضوع چرا کودکی مجبور است تا ازدواج کند، با موضوع چرا بدون این که از کودکی سوال کنید عکس‌هایش را پخش می‌کنید گروه روزنامه "پرندگان مهاجر" برای همه لذت از خواندن این روزنامه را آرزو می‌کند، به امید جهانی با عدالت.

Η ΕΦΗΜΕΡΙΔΑ «Αποδημητικά Πουλιά» δημιουργήθηκε από το Δίκτυο για τα Δικαιώματα του Παιδιού με την υποστήριξη της UNICEF και χρηματοδότηση της Πολιτικής Προστασίας και Ανθρωπιστικής Βοήθειας της Ευρωπαϊκής Επιτροπής. Η έκδοση του παρόντος φύλλου δημιουργήθηκε και με την υποστήριξη του Ιδρύματος Ρόζα Λούξεμπουργκ - Παράρτημα Ελλάδας, που χρηματοδοτείται από το γερμανικό Υπουργείο Οικονομικής Συνεργασίας και Ανάπτυξης.

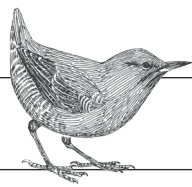
این جريدة «طيور مهاجرة» أسست من قبل شبكة حقوق الطفل بالدعم من اليونيسيف والدعم المالي من الحماية المدنية والمساعدة الإنسانية للمفوضية الأوروبية. ان اصدار هذا العدد تم بالدعم من مؤسسة روزا لوكسمبورغ- قسم اليونان، التي تمول من وزارة التطوير الاقتصادي والتعاون المشترك الألمانية.

روزنامه "پرندگان مهاجر" از شبکه دیکتو " برای حقوق کودکان" آغاز به فعالیت کرد با حمایت یونیسف و حمایت مالی کمک های انسان دوستانه هیئت مدیره اروپا. چاپ و پخش روزنامه با حمایت موسسه " روزا لوکزو بورگ - بخش یونان" فعال شد، به همراه همکاری کمک های مالی وزارت اقتصاد آلمان.

اخبار "مهاجر پرندے" شائع کیا جاتا ہے۔ بچوں کے حقوق کے نیٹ ورک کی طرف سے، اور یورپین کمیشن کی فنڈنگ اور یو این آئی سی ایف کے تعاون سے۔ شہری تحفظ اور انسانی حقوق کی امداد موجودا ایڈیشن کی مزید حمایت روزا لکسمبرگ سٹفتنگ کی طرف سے کی ہے۔ جرمن اقتصادی تعاون کے یونان میں دفتر کی طرف سے فنڈ

The newspaper "Migratory Birds" is produced by the Network for Children's Rights, and supported by UNICEF with funding by the European Commission- Civil Protection and Humanitarian Aid Operations. The present edition is further supported by the Rosa Luxemburg Stiftung - Office in Greece, funded by the German Ministry of Economic Cooperation.





ΤΑ ΑΡΘΡΑ ΒΑΣΕΙ ΤΩΝ ΟΠΟΙΩΝ ΓΡΑΦΟΥΝ ΚΑΙ ΕΡΕΥΝΟΥΝ ΤΑ «ΑΠΟΔΗΜΗΤΙΚΑ ΠΟΥΛΙΑ»

# Η Σύμβαση για τα Δικαιώματα του Παιδιού

مواد معاهدة حقوق الطفل،  
التي على أساسها  
الطيور المهاجرة تكتب  
وتبحث.



المادة 12  
١. يتكفل الدول الأطراف في هذه الاتفاقية للطفل القادر على تكوين آرائه الخاصة حق التعبير عن تلك الآراء بحرية في جميع المسائل التي تمس الطفل، وتولي آراء الطفل الاعتبار الواجب وفقا لسن الطفل ونضجه.  
٢. ولهذا الغرض، تتاح للطفل، بوجه خاص، فرصة الاستماع إليه في أي إجراءات قضائية وإدارية تمس الطفل، إما مباشرة، أو من خلال ممثل أو هيئة ملائمة، بطريقة تتفق مع القواعد الإجرائية للقانون الوطني.

المادة 13  
١. يكون للطفل الحق في حرية التعبير، ويشمل هذا الحق حرية طلب جميع أنواع المعلومات والأفكار وتلقيها وإذاعتها، دون أي اعتبار للحدود، سواء بالقول أو الكتابة أو الطباع، أو الفن، أو أية وسيلة أخرى يختارها الطفل.  
٢. يجوز إخضاع ممارسة هذا الحق لبعض القيود، بشرط أن ينص القانون عليها وأن تكون لازمة لتأمين ما يلي:  
(أ) احترام حقوق الغير أو سمعتهم، أو،  
(ب) حماية الأمن الوطني أو النظام العام، أو الصحة العامة أو الآداب العامة.

المادة 14  
١. تحترم الدول الأطراف حق الطفل في حرية الفكر والوجدان والدين.  
٢. تحترم الدول الأطراف حقوق وواجبات الوالدين وكذلك، تبعا للحالة، الأوصياء القانونيين عليه، في توجيه الطفل في ممارسة حقه بطريقة تتسم مع فترات الطفل المتطورة.  
٣. يجوز أن يخضع الإجهار بالدين أو المعتقدات إلا للقيود التي ينص عليها القانون والالزام لحماية السلامة العامة أو الصحة أو الآداب العامة أو الحقوق والحريات الأساسية للآخرين.

المادة 15  
١. تعترف الدول الأطراف بحق الطفل في حرية تكوين الجمعيات وفي حرية الاجتماع السلمي.  
٢. لا يجوز تقييد ممارسة هذه الحقوق بأية قيود غير القيود المفروضة طبقا للقانون والتي تقتضيها الضرورة في مجتمع ديمقراطي لصيانة الأمن الوطني أو السلامة العامة أو الصحة العامة، أو النظام العام، أو لحماية الصحة العامة أو الآداب العامة أو لحماية حقوق الغير وحرياتهم.

## ماده هایی از قرارداد

## جهانی حقوق کودکان

## پیش زمینه نوشتاری

## روزنامه پرندگان مهاجر

ماده 12

از سوی حکومت‌های امضاکننده این پیمان نامه، حق طفلی که که توانایی ساختن نظر شخصی خودش را دارد، به رسمیت شناخته میشود. طفل در تمامی امور مربوط به خود، آزادی بیان و اظهار عقیده شخصی را که مطابق سن و رشد اوست. برای این منظور، به طفل امکان داده میشود که در دادگاهها و در تمام مراحل قانونی، مستقیم یا با کمک وکیل و یا نهاد مسوول و مناسب دیگر، مطابق قوانین موجود، محاکمه شود

ماده 13

طفل حق آزادی بیان دارد و این حق در پیوند با آزادی آگاهی است که طفل بدون ترس از محدودیتهای حکومتی، دانستیها و افکار متنوع خود را در قالب کلمات، دست نویس یا چاپ، کارهای هنری یا هر طریق و یا هر وسیله ای انتخابی دیگر، بیان کرده، دریافت نموده و یا به دیگران بدهد. اجرای این حق میتواند از طرف قوانین دیگری که لازم هستند، محدود شود: الف بخاطر حفظ حقوق یا شهرت فردی دیگر. ب بخاطر حفظ امنیت ملی، نظم عمومی، خلق و عفت عمومی و یا سلمتی جامعه

ماده 14

حکومتها به حق طفل برای آزادی افکار، وجدان و مذهب توجه میکنند. حکومتها توجه به حقوق و وظایف والدین یا سرپرست طفل دارند که نقش راهنمایی خود را در رابطه با اجرای این حق در مراحل مختلف سنی طفل، ایفا کنند

آزادی مذهب و جهان بینی تنها در شرایط قانونی تعیین شده قابل تحدید است که آنها بخاطر حفظ 3 امنیت ملی، نگهداری نظم اجتماعی، حفظ سلمتی و یا عفت عمومی و یا وقتی منافی حقوق اولیه و آزادی دیگری باشد.

ماده 15

حکومتها حق طفل برای شرکت در اجتماعات را به رسمیت می شناسند. اجرای این حق نباید با امنیت ملی و نظم عمومی مبادرت داشته و منافی اخلاق عمومی و یا برخلاف حقوق اولیه و آزادی دیگری باشد

**ARTICLE 12 1.** Τα Συμβαλλόμενα Κράτη εγγυώνται στο παιδί που έχει ικανότητα διάκρισης το δικαίωμα ελεύθερης έκφρασης της γνώμης του σχετικά με οποιοδήποτε θέμα που το αφορά, λαμβάνοντας υπόψη τις απόψεις του παιδιού ανάλογα με την ηλικία του και τον βαθμό ωριμότητάς του.

**2.** Για τον σκοπό αυτό θα πρέπει ιδίως να δίνεται στο παιδί η δυνατότητα να ακούγεται σε οποιαδήποτε διοικητική ή δικαστική διαδικασία που το αφορά, είτε άμεσα είτε μέσω ενός εκπροσώπου ή ενός αρμόδιου οργανισμού, κατά τρόπο συμβατό με τους διαδικαστικούς κανόνες της εθνικής νομοθεσίας.

**ARTICLE 13 1.** Το παιδί έχει το δικαίωμα της ελευθερίας της έκφρασης. Το δικαίωμα αυτό περιλαμβάνει την ελευθερία αναζήτησης, λήψης και διάδοσης πληροφοριών και ιδεών οποιουδήποτε είδους, ανεξαρτήτως συνόρων, υπό μορφή προφορική, γραπτή ή τυπωμένη, ή καλλιτεχνική ή με οποιοδήποτε άλλο μέσο της επιλογής του.

**2.** Η άσκηση του δικαιώματος αυτού μπορεί να αποτελέσει αντικείμενο μόνο των περιορισμών που ορίζονται από τον νόμο και που είναι αναγκαίοι:

- A)** Για τον σεβασμό των δικαιωμάτων και της υπόληψης των άλλων ή
- B)** Για τη διαφύλαξη της εθνικής ασφάλειας, της δημόσιας τάξης, της δημόσιας υγείας και των

δημόσιων ηθών.

**ARTICLE 14 1.** Τα Συμβαλλόμενα Κράτη σέβονται το δικαίωμα του παιδιού για ελευθερία σκέψης, συνείδησης και θρησκείας.

**2.** Τα Συμβαλλόμενα Κράτη σέβονται το δικαίωμα και το καθήκον των γονέων ή, κατά περίπτωση, των νομίμων εκπροσώπων του παιδιού να το καθοδηγούν στην άσκηση του παραπάνω δικαιώματος κατά τρόπο που να ανταποκρίνεται στην ανάπτυξη των ικανοτήτων του.

**3.** Η ελευθερία της δήλωσης της θρησκείας του ή των πεποιθήσεών του μπορεί να υπόκειται μόνο στους περιορισμούς που ορίζονται από τον νόμο και που είναι αναγκαίοι για τη διαφύλαξη της δημόσιας ασφάλειας, της δημόσιας τάξης, της δημόσιας υγείας και των δημόσιων ηθών, ή των ελευθεριών των θεμελιωδών δικαιωμάτων των άλλων.

**ARTICLE 15 1.** Τα Συμβαλλόμενα Κράτη αναγνωρίζουν τα δικαιώματα του παιδιού στην ελευθερία τού να συνεταιρίζεται και να συνέρχεται ειρηνικά.

**2.** Δεν τίθενται περιορισμοί για την άσκηση των δικαιωμάτων αυτών, εκτός από αυτούς που ορίζει ο νόμος και που είναι αναγκαίοι σε μια δημοκρατική κοινωνία, προς το συμφέρον της εθνικής ασφάλειας, της δημόσιας ασφάλειας ή της δημόσιας τάξης ή για την προστασία της δημόσιας υγείας ή των δημόσιων ηθών, ή των δικαιωμάτων και των ελευθεριών των άλλων.

## The articles of the Convention on the Rights of the Child, under which the 'Migratory Birds' have prepared their articles

**ARTICLE 12**

**1.** States Parties shall assure to the child who is capable of forming his or her own views the right to express those views freely in all matters affecting the child, the views of the child being given due weight in accordance with the age and maturity of the child.

**2.** For this purpose, the child shall in particular be provided the opportunity to be heard in any judicial and administrative proceedings affecting the child, either directly, or through a representative or an appropriate body, in a manner consistent with the procedural rules of national law.

**ARTICLE 13**

**1.** The child shall have the right to freedom of expression; this right shall include freedom to seek, receive and impart information and ideas of all kinds, regardless of frontiers, either orally, in writing or in print, in the form of art, or through any other media of the child's choice.

**2.** The exercise of this right may be subject to certain restrictions, but these shall only be such as are provided by law and are necessary:

- (a)** For respect of the rights or reputations of others; or
- (b)** For the protection of national security or of public

order (ordre public), or of public health or morals.

**ARTICLE 14**

**1.** States Parties shall respect the right of the child to freedom of thought, conscience and religion.

**2.** States Parties shall respect the rights and duties of the parents and, when applicable, legal guardians, to provide direction to the child in the exercise of his or her right in a manner consistent with the evolving capacities of the child.

**3.** Freedom to manifest one's religion or beliefs may be subject only to such limitations as are prescribed by law and are necessary to protect public safety, order, health or morals, or the fundamental rights and freedoms of others.

**ARTICLE 15**

**1.** States Parties recognize the rights of the child to freedom of association and to freedom of peaceful assembly.

**2.** No restrictions may be placed on the exercise of these rights other than those imposed in conformity with the law and which are necessary in a democratic society in the interests of national security or public safety, public order (ordre public), the protection of public health or morals or the protection of the rights and freedoms of others.

Η ΑΝΤΙΜΕΤΩΠΙΣΗ ΤΩΝ ΑΣΥΝΟΔΕΥΤΩΝ ΑΝΗΛΙΚΩΝ ΣΤΗ ΓΕΡΜΑΝΙΑ

# Μετανάστευση και προσφυγιά

της ΣΑΜΙΡΑ ΚΑΡΙΜΙ

Η μετανάστευση ή η μετακίνηση πληθυσμών αποτελεί στην ουσία αλλαγή τόπου και χώρου διαμονής. Πρώτον, η μετανάστευση και η προσφυγιά μπορεί να προκύψουν εξαιτίας της φτώχειας, ασθενειών, για πολιτικούς λόγους, λόγω πολέμου, έλλειψης ασφάλειας, αλλά και ως αποτέλεσμα φυσικών φαινομένων και καταστροφών. Δεύτερον, μπορεί να οφείλονται στην αναζήτηση καλύτερης εκπαίδευσης, ιατροφαρμακευτικής περίθαλψης, βιοτικού επιπέδου, αλλά και μεγαλύτερης κοινωνικής και πολιτικής ελευθερίας.

Στη διάρκεια του μεταναστευτικού ταξιδιού, συμβαίνει συχνά να χωριστούν πολλά παιδιά από τους γονείς τους και να βρεθούν απροστάτευτα σε διαφορετικές ευρωπαϊκές χώρες. Η δε μετανάστευση των ίδιων των ανηλίκων μπορεί να έχει διάφορες αιτίες. Στο άρθρο αυτό επιχειρείται μια προσέγγιση των δικαιωμάτων των ασυνόδευτων ανήλικων μεταναστών και προσφύγων στη Γερμανία και της αντιμετώπισής τους από τη χώρα αυτή.

Αμέσως μετά την είσοδό τους στη Γερμανία, η Υπηρεσία Κοινωνικής Μέριμνας Παιδιών και Νέων - Jugendam - αναλαμβάνει την τακτοποίησή τους. Εάν τα παιδιά έχουν συγγενείς στη Γερμανία, τότε δικαιούνται να ζητήσουν να μείνουν μαζί τους, διαφορετικά εγκαθίστανται σε ειδικούς καταυλισμούς ασυνόδευτων ανηλίκων ή ακολουθείται η διαδικασία συγκατοίκησης με μια ανάδοχη οικογένεια.

Η διαδικασία αυτή διαρκεί συνολικά δύο εβδομάδες. Κατόπιν, οι ανήλικοι μεταφέρονται σε ένα από τα 16 ομόσπονδα κρατίδια της Γερμανίας, όπου η τοπική Υπηρεσία Μετανάστευσης -Ausländerbehörde- τους χορηγεί τα απαραίτητα έγγραφα διαμονής.

Η διεκπεραίωση των διαδικασιών που απαιτούνται για την έκδοση των δικαιολογητικών διαμονής των ανηλίκων διαφέρει σημαντικά από εκείνη των ενηλίκων. Όλοι οι ανήλικοι -και ειδικά οι ασυνόδευτοι- δεν είναι σε θέση να αποφασίσουν για τα νομικά φύσης ζητήματά τους και για τον λόγο αυτό τους παρέχεται από τη Jugendam ένας επίτροπος, ο οποίος είναι εκ του νόμου υπεύθυνος για την προστασία τους.

Όλοι οι ανήλικοι, μετά την είσοδό τους στη Γερμανία, έχουν το δικαίωμα να φοιτήσουν

είτε σε σχολείο είτε σε κάποια σχολή επαγγελματικής κατάρτισης - Ausbildung. Σε όλα τα κρατίδια της Γερμανίας, έχει καθιερωθεί ο θεσμός της υποχρεωτικής εκπαίδευσης για όλα τα άτομα κάτω των 18 ετών. Επίσης, όλα τα παιδιά απολαμβάνουν τα ίδια ακριβώς πολιτικά και νομικά δικαιώματα, χωρίς καμία διάκριση. Πρέπει, επίσης, να υπογραμμιστεί ότι όλοι οι ασυνόδευτοι ανήλικοι έχουν το δικαίωμα της επανένωσης με τους οικείους τους, όταν αυτό είναι εφικτό, όπως ισχύει για όλα τα άλλα ανήλικα άτομα της χώρας.

Το κράτος της Γερμανίας, ως αρμόδιο για τα ζητήματα των ασυνόδευτων ανηλίκων, φέρεται με υπευθυνότητα, φροντίζοντας για τη διαφύλαξη των δικαιωμάτων τους.



وضیعت رسیدگی به پناهجویان زیر سن و تنها در المان

## مهاجرت یا پناهندگی

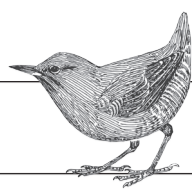
سمیرا کریمی

مهاجرت یا کوچ به معنای جا به جایی مردم از مکانی به مکانی دیگر است.

مهاجرت و پناهندگی میتوانند به دلایل فقر، بیماری، مسائل سیاسی، جنگ، کمبود امنیت و بلبای طبیعی صورت بگیرد. و دلیل دوم آن شرایط بهتر مقصد مهاجرت از لحاظ آموزش، بهداشت، درآمد بیشتر و آزادی های سیاسی صورت گیرد.

در روند مهاجرت، کودکان و افراد زیر سن بسیاری بدون سرپرست وارد کشورهای اروپایی شدند. مهاجرت افراد زیر سن و بدون سرپرست میتواند دلایل زیادی داشته باشد. ما میخوایم در این متن یک نگاهی کوتاه به حقوق افراد زیر سن و بی سرپرست که به المان پناه آورده اند بیندازیم و از نحوه برخورد کشور المان با آنها آگاهی پیدا کنیم. پس از ورود چنین افرادی به المان در اولین اقدام اداره رفاه جوانان (Jugendamt) مسوول رسیدگی به امور جا به جایی و زندگی آنها هست.

اگر افراد زیر سن در المان فامیل داشته باشند حق دارند که درخواست کنند تا با آنها زندگی کنند در غیر این صورت این افراد در کمپ جوانان بدون سرپرست و یا خانه های مشترک و یا زندگی با یک خانواده که سرپرستی فرد مورد نظر را قبول کند فرستاده میشوند. این پروژه معمولاً دو هفته طول میکشد و بعد از آن در یکی از 16 ایالت المان جایگزین میشوند و اداره امور خارجی (Ausländerbehörde) آن ایالت برای آنها برگ اقامت صادر میکند. بررسی پرونده های پناهندگی افراد زیر سن و بدون سرپرست، تحت قوانین کاملاً متفاوتی از افراد بزرگسالان به پیش برده میشود. پیر و قانون المان افراد زیر سن و بدون سرپرست نمیتوانند به تنهایی تصمیم بگیرند به همین دلیل نیاز به یک سرپرست قانونی دارند که اداره رفاه جوانان (Jugendamt) آن سرپرست را تعیین میکند. همه افراد زیر سن قانونی این حق را دارند که پس از ورود به المان شامل مدرسه یا دوره های آموزش فنی حرفه ای (Ausbildung) بشوند. در بسیاری از ایالات المان افراد تا سن 18 سالگی به اجبار به مدرسه میروند. و همچنین تمامی افراد زیر سن از حقوق شهروندی که در آن کشور متولد شده اند کاملاً برابر برخوردار هستند و هیچ گونه تفاوتی بین آنها وجود ندارد. همچنین باید به این نکته اشاره کرد که خانواده های افراد زیر سن اجازه دارند به مکانیکه فرزندشان در اقامت دارد سفر کنند تا با هم در ارتباط باشند که فرد زیر سن به خانواده اش بپیوندد. از این حق تمامی افراد زیر سن برخوردار هستند. دولت المان در برابر تمامی این حقوق و خواسته ها مسوول هست.



Της **ΦΑΤΙΜΑ ΧΟΣΣΑΪΝΙ**

**Κ**άθε μέρα βλέπουμε παιδιά που εξαναγκάζονται να κάνουν τους μικροπωλητές και τους ζητιάνους. Το φαινόμενο της «παιδικής εργασίας» παρατηρείται τόσο στα στενά σοκάκια του εμπόλεμου Αφγανιστάν όσο και στις λαμπερές λεωφόρους της Νέας Υόρκης.

Η παιδική ηλικία είναι πολύ σημαντική για τη διαμόρφωση του χαρακτήρα και τη γαλουχία του ατόμου πριν μπει στην ενήλικη ζωή. Τα κοινωνικά προβλήματα επηρεάζουν τα παιδιά περισσότερο από οποιονδήποτε άλλο και τα παιδικά τραύματα εμποδίζουν τη φυσιολογική και υγιή ανάπτυξη.

Τα «εργαζόμενα παιδιά» και τα παιδιά του δρόμου αποτελούν τα πλέον ευάλωτα άτομα. Αναγκάζονται να δουλέψουν λόγω φτώχειας και να επιβιώσουν σε ένα εξαιρετικά ανασφαλές περιβάλλον. Κάνουν στην ουσία τον δρόμο σπίτι τους. Ακόμη περισσότερο κινδυνεύουν τα κορίτσια, τα οποία μπορεί να πέσουν θύματα σεξουαλικής εκμετάλλευσης. Τα «εργαζόμενα παιδιά» στερούνται στοιχειωδών δικαιωμάτων, όπως προστασία, κατάλληλη διατροφή, σπουδές, συνθήκες υγιεινής και βρίσκονται μακριά από την οικογένεια και τους οικείους ή τους κηδεμόνες τους. Τα παιδιά συνήθως καταλήγουν στον δρόμο είτε λόγω διαζυγίου των γονιών τους είτε λόγω της φτώχειας είτε εξαιτίας της μετανάστευσης. Αναγκάζονται, λοιπόν, εκ των πραγμάτων να εργαστούν.

Τα «παιδιά των δρόμων» φτιάχνουν συνήθως μία ομάδα στην οποία εντάσσονται και την έχουν ως υποκατάστατο της οικογένειας. Τίθεται και θέμα αρχηγίας, όπου ο αρχηγός είναι συνήθως από τους πιο δυνατούς και ευφυείς μεταξύ των άλλων μελών της ομάδας. Υπάρχουν και περιπτώσεις που τα παιδιά εξαναγκάζονται να κάνουν άλλο είδος παράνομης εργασίας, όπως εμπορία ναρκωτικών, παράνομων εμπορευμάτων ακόμη και εμπορία ανθρώπινων οργάνων... αλλά και γυάλισμα παπουτσιών στον δρόμο, πώληση χαρτομάντιλων, λουλουδιών κ.ά. Είναι πολύ λυπηρό το γεγονός ότι αυτά τα παιδιά πέφτουν συχνά θύματα προσβολών και χλευασμού. Αλθθεια, λοιπόν, ποιος ευθύνεται για όλα αυτά;

Τα παιδιά θα έπρεπε να σπουδάζουν, να βρίσκονται δίπλα στους οικείους τους και να απολαμβάνουν την τρυφερή φροντίδα της οικογένειάς τους. Για ποιον λόγο, λοιπόν, βρίσκονται στους δρόμους, κάνουν μικροκλοπές και πουλούν ναρκωτικά...; Τα παιδιά αυτά βγαίνουν κάθε πρωί στους δρόμους και επιστρέφουν στο «σπίτι» τους το βράδυ. Απομακρύνονται από την παιδικότητά τους και γρήγορα μετατρέπονται σε νέους των δρόμων,



## Τα παιδιά που βγάζουν το ψωμί τους



που ζουν εκτεθειμένοι σε κάθε ρίσκο και κάθε κίνδυνο.

Πρέπει να λυθεί αυτό το τόσο σοβαρό ζήτημα το συντομότερο δυνατό. Το θέμα

είναι ότι οι φιλάνθρωποι και οι ιθύνοντες της εποχής μας θα έπρεπε αντί να λυπούνται και να προβαίνουν στην οικονομική ενίσχυση αυτών των παιδιών, να επινο-

## «Ναν Αوران کوچک»

فاطمه حسینی

Ημεσίμα هر روز در خیابانها شاهد حضور کودکانی هستیم که از روی اجبار و ناچاری با ظاهری آشفته و نامناسب در حال دستفروشی یا گداپی هستند. این پدیده مختص به کشور خاصی نیست، از کوچه های جنگ زده افغانستان تا خیابانهای پر زرق و برق نیویورک این پدیده قابل مشاهده است و به نام «کودک کار» شناخته شده است. دوران کودکی در هر انسانی از اهمیت زیادی برخوردار است، زیرا رشد و شکل گیری شخصیت از این دوران شروع میشود. وجود آسیب ها و هر گونه مشکلات اجتماعی در جامعه کودکان را بیشتر از گروه های سنی دیگر در معرض خطر قرار میدهد و به رشد و سلامت آنها آسیب میرساند.

کودکان کار و کودکان خیابانی از جمله کودکانی هستند که در معرض آسیب هستند این کودکان به دلایل اقتصادی و فقر مجبور به گذراندن وقت خود در محیط های نا امن میشوند و خیابان را به عنوان خانه خود انتخاب میکنند. به ویژه دختران که در معرض خطرات گوناگون از جمله سواستفاده جنسی قرار میگیرند. کودکان کار از حقوقی مانند مراقبت، تغذیه مناسب، تحصیلات، بهداشت و تفریح محرومند که بسیاری از این کودکان کار یا دور از خانواده اند یا اصلاً خانواده ای ندارند و یا بد سرپرست هستند. این کودکان به دلیل مشکلاتی مانند فقر، طلاق ویا حتی مهاجرت در خیابانها رها شده اند و حالا برای ادامه ی زندگی شان مجبور به کار هستند. این گروه از کودکان برای محافظت از خود گروه های کوچکی تشکیل میدهند تا به نوعی کمبود خانواده را جبران کنند. همچنین برای گروه های خود رهبری تعیین میکنند که معمولاً رهبر گروه فردی است که قدرتمندتر و باهوشتر از سایر اعضای گروه است. گاهی اوقات آنان مجبورند برای گذراندن زندگی به گروه هایی بپیوندند که از آنها و کارهایشان سواستفاده میکنند. گروه هایی مانند قاچاق مواد مخدر و کالا، قاچاق اعضای بدن و یا مشغول کارهایی مانند واکس زدن کفش عابران گلی، فروشی، دستمال کاغذی... متأسفانه این کودکان توسط مردم تقییر میشوند و یا مورد مردم آزاری قرار میگیرند... واقعا مقصر کیست؟

چرا کودکانی که در این سن باید در مدرسه بروند و در حال تحصیل باشند و یا در کنار خانواده به تفریح و بازی مشغول شوند در خیابانها در حال کار و یا جرم هایی مانند کیف قاپی، فروش مواد مخدر... مشغول هستند. صبح ها از خانه به خیابان ها روی بیاورند و زمانی که شب فرا رسیده، مجدداً به خانه برگردند. متأسفانه این کودکان در گرما و سرما مجبور به کار کردن در چهارراه و پشت چراغ قرمز ها هستند. کودکان خیابانی به زودی از حالت کودکی خود فاصله میگیرند و به یک جوان خیابانی تبدیل میشوند! و این گروه جوانان که از کودکی در خیابانها رها شده اند آمادگی لازم برای انجام هرگونه آسیب به جامعه را دارند. پس باید هم اکنون چاره ای اندیشید! و حال من از مردم انسان دوست و کسانیکه مسؤل اینگونه مشکلات هستند میخواهم که بجای نگاه های ترحم انگیز و کمک های مالی ناچیز به این کودکان به فکر از بین بردن این مشکل از بنیان باشند... به آنها کمک کنند که ادامه تحصیل بدهند تا بتوانند در آینده شخصی مفید برای جامعه باشند.

این کودکان کودکان خیابان را در شانها، این خیابانها و پشت چراغ قرمز ها گم کرده اند، که گاهی آرزو میکنند که کاش اینبار مدت زمان بیشتری چراغ قرمز بماند. به امید روزی که دیگر هیچ کودکی در خیابان مجبور به کار کردن نباشد!

## حق تحصیل

فاطمه صداقت

هر کودکی حق تحصیل در هر جای جهان دارد حق تحصیل حقی است که همه ی کودکان دارند و به این نیاز دارند و همچنین یک کودک به عنوان یک موجود متفکر و اندیشمند در اجتماع و کشورش حق آن را دارد که تحصیل کند تا بتواند استعداد های خود را شکوفا کند.

یک کودک علاوه بر این که در مدرسه میتواند استعداد های خود را شکوفا کند در کنار آن میتواند با بقیه افراد جامعه بهتر ارتباط برقرار کند و روابط عمومی خود را قوی تر کند. در بعضی از مناطق جهان کودکانی هستند که نمیتوانند به مدرسه بروند حالا به هر دلیلی مثل نداشتن امنیت، نداشتن امکانات و نداشتن وضعیت اقتصادی خوب.

و من اطلاعات دقیقی درباره ی افغانستان ندارم چون در ایران متولد شدم و تا به حالا افغانستان را ندیده ام.

در ایران مدارس زیادی وجود داشت برای تحصیل اما چه فایده کودک پناهنده ای که مدارک ندارد نمیتواند درس بخواند. یا اگر کودک پناهنده ای که حتی مدارک هم دارد او به سختی میتواند وارد مدرسه شود اما با پرداخت کردن مقدار زیادی هزینه حتی بیشتر از کودکان ایرانی. و کودکان افغان همیشه باید دیر تر از همه به مدرسه بروند و با طی مراحل و مشکلات بیشتری. باخرج و مخارج بالا بعضی از خانواده ها توانایی پرداختن همین مخارجی را ندارند و نمیتوانند کودکانشان را به مدرسه بفرستند و حق این کودکان پایمال میماند. همه ی کودکان محصل حق بازی و شرکت در مراسم های آموزشی را دارند ولی کودکان افغانی جزو کسانی بودند که نه حق بازی و نه حق شرکت در مراسم های آموزشی را داشتند به طور مثال اگر از طرف مدرسه یک اردوی آموزشی برای دانش آموزان در نظر گرفته میشد خود ناظمین و مسئولین در جلوی همه دانش آموزان اعلام میکردند که این اردو شامل دانش آموزان افغان نمیشود و این بدترین ضربه ای است که میتواند به روحیه یک دانش آموز یا یک کودک وارد کرد.

و یکی دیگر از مشکلات این بود که کودکانی که در رده ی سنی ۱۵ تا ۱۶ ساله هستند باید انتخاب رشته کنند ولی کودکان افغان حق نداشتن به هر رشته ای دوست دارند بروند بخاطر اینکه برای آنها حد و مرزی دارد مثلاً ورود به رشته های مثل فنی و حرفه ای کار و دانش را نداشتند و مجبور بودند به سرکار بروند و اینگونه هیچ آینده ی خوبی در انتظارشان نمیتواند باشد و هیچکس جوابی برای این موضوعات ندارد.

امیدوارم همه ی کودکانی که در هر جای دنیا و جهان هستند، بتوانند به هدف و ارزو هایی که دارند برسند و هیچ مشکلی مانع رسیدن به هدفشان و پیشرفت پیش ترشان نشود تا بتوانند برای خانواده ی خود مایه ی سرفرازی و سر بلندی باشند.

و برای همه کودکان جهان آرزوی موفقیت بیشتری دارم.

## Το δικαίωμα στην εκπαίδευση

Της **ΦΑΤΙΜΑ ΣΕΝΤΑΓΑΤ**

**Κ**άθε παιδί σε οποιοδήποτε μέρος του κόσμου έχει δικαίωμα στην εκπαίδευση.

Κάθε παιδί έχει αυτό το δικαίωμα, προκειμένου να καταφέρει να αναδείξει τις ικανότητές του στην κοινωνία και στη χώρα του.

Το παιδί αναπτύσσει και αναδεικνύει τις ικανότητές του στο σχολικό του περιβάλλον και ταυτόχρονα δημιουργεί ισχυρότερες και πιο παραγωγικές σχέσεις στο κοινωνικό του περιβάλλον. Ωστόσο, υπάρχουν πολλά παιδιά σε διάφορα μέρη του κόσμου, τα οποία αδυνατούν να πάνε σχολείο και να παρακολουθήσουν μαθήματα, λόγω οικονομικών δυσχερειών, ανασφάλειας και έλλειψης άλλων δυνατοτήτων.

Προσωπικά δεν γνωρίζω πολλά για το Αφγανιστάν, δεδομένου ότι γεννήθηκα στο Ιράν και ως τώρα δεν έχω επισκεφτεί το Αφγανιστάν.

Παρά το γεγονός ότι στο Ιράν υπάρχουν πάρα πολλά σχολεία, για ένα παιδί χωρίς νόμιμα έγγραφα διαμονής δεν υπάρχει καμία δυνατότητα πρόσβασης σ' αυτά.

Ακόμα και ένα παιδί με νόμιμα έγγραφα διαμονής, που δικαιούται να πάει σχολείο, πρέπει να πληρώσει ακριβά δίδακτρα, σε αντίθεση με τους Ιρανούς μαθητές. Έτσι, τα Αφγανόπουλα αρغούν να ξεκινήσουν το σχολείο και πολλές φορές οι οικογένειές τους αδυνατούν να καταβάλουν τα δίδακτρα, με αποτέλεσμα να τα παιδιά να στερούνται το δικαίωμα στην εκπαίδευση. Θεωρητικά, όλα τα παιδιά ενός σχολείου

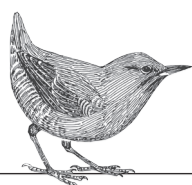


έχουν ίσα δικαιώματα στη μάθηση και στα παιχνίδια, κάτι που δεν ισχύει όμως για τα Αφγανόπουλα. Για παράδειγμα, σε ορισμένες εκδρομές οι διοργανωτές έλεγαν ότι σε αυτές δεν μπορούν να συμμετέχουν τα παιδιά από το Αφγανιστάν, γεγονός το οποίο τα πλήγωνε ψυχολογικά.

Άλλη μία διάκριση είναι η απαγόρευση των νέων Αφγανών να επιλέξουν τον κλάδο σπουδών τους. Για παράδειγμα, δεν επιτρέπεται σ' αυτούς να επιλέξουν τεχνικές σχολές, με αποτέλεσμα αρκετοί να αναγκάζονται να εργαστούν και να εγκαταλείψουν τις σπουδές τους. Κανείς όμως δεν έχει μία σαφή ή

λογική απάντηση για το θέμα αυτό. Ελπίζω όλα τα παιδιά του κόσμου να πετύχουν τους στόχους τους και να μην αντιμετωπίζουν παρόμοια προβλήματα. Να αποτελούν πηγή χαράς και υπερφάνειας για την οικογένειά τους.

Εύχομαι ευτυχία σε όλα τα παιδιά!



# Δώστε μας πίσω την παιδική μας ηλικία, δώστε μας πίσω την ειρήνη



## Αέτωνα الطفولة، أَعْطونا السلام

بقلم ميرنا اصلان

أني أمسك قلمي والورقة وأسطر بعض ما أعانيه من ضمائر الزمان وقيد المكان .  
 أنا ما أنا إن كنت مغامرة تجارتي الوهم والأشباح والليل.  
 أحب الدنيا واللعب واللهو، أحبها واعتز في الخامسة عشر من عمري، وخصري فداق الينبوع مبلل، تعيش بي في جوف الخوابي وتموت بي كوهم وخيال.  
 أنا طفلة كدمية يتلاعبون بها لاتعرف معنى الحياة كسفينة في أمواج البحر من غير ملاح. لن اطلب منكم بعد اليوم أن تعطوني نبذة عن سيرتي الذاتية أكتننها بحبر دمي.  
 لا يعينني ما أسماكم وأين ولدت وكيف ولدت ، فحكيتي الحقيقية من حياكة أصابعي وكلماتي الأولى تقوى كلمة انغرست في حلمي.  
 من أنتم!!!  
 أنتم لا شيء أنتم كنتم فقط سبب في قتلي وسبب في حرمانتي من طفولتي. أنتم مذنبون.  
 من أنا ولما قتلتوني!!!!  
 أنا غلطة وطن يضح بالحروب .  
 أنا غلطة زوج وزوجة فقراء يعتقدون أنني ساكنون عائق في حياتهم التعيسة.  
 أنا غلطة طبيب متعلم افضل انواع العلم فقط ليكسب المال .  
 أنا غلطة شاب اغتصب فتاة والقانون لن يجاسيه لأنه يمكك المال .  
 أنا غلطة امرأة ليست مستعدة للأومة .  
 أنا طفل حرم من حياته بسبب عدم مسؤولية زوج وزوجة.  
 أنا حلم زوج وزوجة حرموا من الأطفال .  
 أنا حلم كل بنت ليس لديها أخرة .  
 أنا حلم كل جدة أن ترى أحفادها قبل أن تموت .  
 كيف وبهذه البساطة قتلتوني عذبتوني، أنتم من قضية على طفولتي وعلى احلامي ،  
 أنا لن اسامحك ابدا ...  
 باستخدامي اسم الإشارة ،انتم، أعني كل إنسان أو شيء يحرم الطفل من حقوقه في أن يعيش بشكل طبيعي طفولته، وبالإمكان أن يكون المقصود ،الحرب،الاهل، إخوة، اجداد، أوضاع مختلفة في بلد ما .

Της ΜΙΡΝΑ ΑΣΛΑΝ

Κατά το στίλο μου και καταθέτω στο χαρτί, λίγα από όσα υπέφερα λόγω της συνείδησης του χρόνου και των δεσμών του χώρου. Τι είμαι εγώ! Είμαι τυχοδιώκτης που εμπορεύεται την ψευδαίσθηση, τα φαντάσματα και τη νύχτα.  
 Αγαπώ τη ζωή, το παιχνίδι και τη διασκέδαση. Τα αγαπώ και καμαρώνω τα δεκαπέντε μου χρόνια και το βρεγμένο μου κορμί, που λικνίζεται σαν σιντριβάνι. Ζουν μέσα μου σαν να βρίσκονται μέσα σε κρυψώνα και πεθαίνουν μέσα μου, λες και είναι ψευδαίσθηση και φαντασία.  
 Είμαι ένα παιδί σαν κούκλα που δεν γνωρίζει το νόημα της ζωής και την παίζουν. Σαν καράβι χωρίς καπετάνιο. Σαν παίχτη τα κύματα της θάλασσας όπου και όπως θέλουν.  
 Δεν θα σας ζητήσω πλέον να κάνετε μια περίληψη του βιογραφικού μου, καθώς το γράφω η ίδια με το μελάνι του αίματός μου.  
 Αδιαφορώ για τα ονόματά σας, για το πού και πώς γεννήθηκα, γιατί την αληθινή μου ιστορία την έχω πλέξει με τα δάχτυλα και τα λόγια μου. Ποιο είστε!!!  
 Είστε κανένας. Ησασταν απλώς η αιτία του θανάτου μου και η αιτία να στερηθώ την παιδική μου ηλικία.  
 Είστε ένοχοι.  
 Ποια είμαι; και γιατί με σκοτώσατε!!!!...  
 Είμαι ένα σφάλμα μιας

πατρίδας γεμάτης από πολέμους. Είμαι ένα σφάλμα ενός ανδρόγυνου που νομίζει πως θα σταθώ εμπόδιο στην άθλια ζωή του.  
 Είμαι το σφάλμα ενός καταξιωμένου και εφοδιασμένου με τις καλύτερες σπουδές γιατρού, που μόνο σκοπό έχει να κερδίζει χρήματα.  
 Είμαι το σφάλμα ενός νεαρού που βίωσε μια νεαρή κοπέλα και δεν θα λογοδοτήσει ποτέ στη Δικαιοσύνη και θα μείνει ατιμώρητος, γιατί απλώς έχει χρήματα.  
 Είμαι το σφάλμα μιας γυναίκας που δεν ήταν έτοιμη για τη μητρότητα.  
 Είμαι ένα παιδί που στερήθηκε τη ζωή του, γιατί ένας άντρας με τη γυναίκα του ήταν ανεύθυνος.  
 Είμαι το όνειρο ενός ζευγαριού που στερήθηκε τα παιδιά. Είμαι το όνειρο κάθε κοριτσιού που δεν έχει αδέρφια.  
 Είμαι το όνειρο κάθε γιαγιάς που θέλει να δει τα εγγόνια της, πριν πεθάνει.  
 Πώς με σκοτώσατε και με βασανίσατε τόσο απλά;  
 Εσείς αποτελειώσατε την παιδική μου ηλικία και τα όνειρά μου.  
 Αλλά εγώ δεν πρόκειται ποτέ να σας συγχωρήσω...  
 Με το δεύτερο πληθυντικό πρόσωπο, απευθύνομαι σε κάθε τι που στερεί στο παιδί τα δικαιώματά του στο να ζει φυσιολογικά την παιδική του ηλικία.  
 Αυτό μπορεί να είναι ο πόλεμος, οι γονείς, τα αδέρφια, οι παπούδες ή διάφορες καταστάσεις σε μια χώρα.

## Ένα άστεργο όνειρο

Της ΖΑΧΡΑ ΧΑΜΠΙΜΠΙ

Σε μια οικογένεια, το παιδί έχει συγκεκριμένα δικαιώματα, όπως σε τροφή, ενδυμασία, παιχνίδι και ασφάλεια. Ωστόσο, στον σημερινό μας κόσμο και σε πολλά κράτη πολλά παιδιά στερούνται αυτά τα δικαιώματα.  
 Πιθανότατα, πολλά παιδιά θα επιθυμούσαν να εκφράσουν κάπου τα παράπονά τους, αλλά λόγω των συνθηκών που επικρατούν στην πατρίδα τους δεν έχουν αυτή τη δυνατότητα.  
 Στη σημερινή κοινωνία, υπάρχουν παιδιά τα οποία δεν στηρίζονται ούτε από την οικογένεια αλλά ούτε και από κανέναν εθνικό ή διεθνή φορέα ώστε τα δικαιώματά τους να είναι σεβαστά και να προστατεύονται.  
 Παρά το γεγονός ότι η Διεθνής Σύμβαση για τα Δικαιώματα του Παιδιού καθορίζει με σαφήνεια τα δικαιώματά τους, οι παραβιάσεις της Διεθνούς Σύμβασης από την πλευρά πολλών κρατών ξεπερνούν κάθε όριο. Οι επιθυμίες των παιδιών αγνοούνται πλήρως.  
 Για παράδειγμα, ένα παιδί χρειάζεται να ζει με την οικογένειά του σε ένα ασφαλές και ήρεμο περιβάλλον. Επιθυμεί να είναι ίσο με όλα τα υπόλοιπα παιδιά και να μην υφίσταται διακρίσεις.  
 Η ανάπτυξη και η πρόοδος των παιδιών στο πλαίσιο των δυνατοτήτων και των ικανοτήτων τους πρέπει και να επιτρέπεται και να προωθείται τόσο



Σκίτσο της Ζαχρά Χαμπιμί

σε διεθνές όσο και σε τοπικό επίπεδο. Παρά ταύτα, παρατηρούμε πως υπάρχει ένα ποσοστό παιδιών τα οποία στερούνται στοιχειώδη δικαιώματα και προσοχή.  
 «Όταν κοιτάζα κατάματα ένα παιδί, έμαθα ένα πικρό του μυστικό. Για πολύ καιρό δεν είχαν πραγματοποιηθεί τα όνειρά του. Διένυε με τα ποδαρκια του τον απρόσοπτο δρόμο προς το μέλλον. Δεν μπορούσε να υλοποιήσει τις σκέψεις του. Σιωπούσε για όσα δεν μπορούσε πλέον να προσεγγίσει. Τελικά, εξαργύρωσε τη χαρά του με δάκρυα...!»  
 Δώστε μεγαλύτερη σημασία στη ζωή και στα δικαιώματα των παιδιών.

## Ροιγιάς βί σκφ

Ζερα χιبي

با وجود این شرایط به طور مثال؛  
 کودک به زندگی آرام در کنار خانواده خود نیاز دارد، محلی برای زیستن و به سقفی نیاز دارد که خانواده اش کنارش باشند . هر کودکی حق دارد مانند سایر کودکان، از آنچه که آنان سهم آن را دارند، او نیز داشته باشد و هیچ تبعیضی میان آنان نباشد.  
 این موضوع بیانگر پیشرفت تک تک کودکان در چهارچوب توانایی ها، امکانات مالی، تضمین شرایط مناسب زندگی می باشد ولی در تمام کشورهای جهان، کودکانی وجود دارند که تحت شرایط دشواری زندگی می کنند. این گونه کودکان محتاج توجهات ویژه ای هستند.  
 "وقتی در چشم های کودکی خیره شدم راز تلخی را دیدم. مثل اینکه مدت ها بود در دلش، حسرت داغ نرسیدن به رویاهایش مانده بود.  
 با پاهای کوچک اش به دنبال آینده می رفت اما موفق به آنچه که در سر داشت نمیشد.  
 بخاطر آنچه که خواست نشده بود، خاموش مانده بود.  
 کودک شادی هایش را به گریه هایش فروخت...!"  
 لطفا اهمیت بدهید به تمامی حقوق کودکان

یک کودک حق دارد در یک خانواده از نیاز های اولیه اش ، مانند خوراک ، پوشاک وسایل بازی، محلی امن برای زندگی برخوردار باشد اما در دنیای امروزی و در بسیاری از کشورها از آنچه که کودکان میخوانند محروم هستند! شاید کودکان میخوانند هم صحبت داشته باشند و هرچه دلشان میخواند بگویند اما با شرایطی که در جامعه کشورشان وجود دارد این حق از بسیاری از کودکان گرفته شده است.  
 در جامعه امروزی کودکانی هستند که از شرایط مناسب زندگی برخوردار نیستند و از طرف خانواده هیچ نهاد ملی و بین المللی حمایت نمیگردند.  
 با توجه به اینکه در قرارداد جهانی طرفدارحقوق کودک گفته شده، بر عکس آن در جامعه جهانی امروز در بسیاری از کشورها مشاهده شده است درخواست های بسیاری از کودکان نادیده گرفته شده است .

ΤΑΥΤΟΤΗΤΑ ΕΦΗΜΕΡΙΔΑΣ «ΑΠΟΔΗΜΗΤΙΚΑ ΠΟΥΛΙΑ»

<p><b>هوية جديدة «طيور مهاجرة»</b></p> <p>مجموعة التحرير الأولى:</p> <p>اريسيتيا پروتونوتاريو مهدية حسيني مدينة زفري</p> <p><b>مجموعة التحرير:</b></p> <p>عبد الرشيد محمدي الهام اسماعيلي زهرا حبيبي ميرنا اصلان نجف صبير پرستو حسيني سمير كرمي سارة حسيني فرانسيس زفري فاطمة حسيني فاطمة صندايات فيرستي اسماعيلي</p>	<p><b>شناسنامه ی روزنامه پرنندگان مهاجر</b></p> <p>سرپرست های نویسنندگان: اريسيتيا پروتونوتاريو مهديه حسيني مدينا ظفري</p> <p><b>گروه نویسندگان:</b></p> <p>عبدالرشيد محمدي الهام اسماعيلي زهرا حبيبي ميرنا اصلان نجف صبير پرستو حسيني سمير كرمي سارا حسيني فرنگيس ظفري فاطيما حسيني فاطيما صداقات فرشته اسماعيلي</p>	<p><b>اخبار "مهاجر پرنده"</b></p> <p>ادارتي بورڈ          آريسيٹيا پروتونوتاريو          مہديہ حسيني          مدینہ ظفري</p> <p>شراکت دار          عبدالرشيد احمد محمدي          الهام اسماعيلي          زهراء حبيبي          ميرنا اصلان          نجف شبير          پراسٹو حسيني          سارہ حسيني          فرنگي ظفري          فاطمہ حسيني          فرستے اسماعيلي</p> <p>يوناني لكهاڻي سے          انگريزي مين ترجمہ          اور ترميم اور انگريزي          کي ترميم : کاليوبي          کاروسي</p> <p>فارسي، عربي، اور ارد          و کا يوناني ترجمہ :          ڈيسک جيٽ</p> <p>فارسي لكهاڻي کي          آخري ترميم : سام          نورزاد</p> <p>عربي لكهاڻي کي          آخري ترميم : زاهر          رشماوي</p> <p>ارد و لكهاڻي کي آخري          ترميم : سيد عابد          تاشفين</p> <p>تصويرون کا انتخاب :          پراسٹو حسيني          لوگو علامت : ميخائيل          پا پانديوپولوس،          ديميٽريس غازيس</p>	<p><b>ΟΜΑΔΑ ΑΡΧΙΣΥΝΤΑΞΙΑΣ</b>          Αριστεά Πρωτονοταρίου          Μαχτιά Χοοσαϊνί          Μαντιά Ζαφάρι</p> <p><b>ΟΜΑΔΑ ΣΥΝΤΑΞΗΣ</b>          Αμηντούλ Ρασίντ Μοχαμαντί          ΕΛΧάμ Εσοαίλι          Ζαχρά Χαμπιμί          Μίρνα Αολάν          Νατζάφ Σαμπίρ          Παραστού Χοοσαϊνί          Σαμρά Καρμί          Σαρά Χοοσαϊνί          Φαρανγκί Ζαφάρι          Φατιμά Χοοσαϊνί          Φατιμά Σενταγάτ          Φεριστέ Εσοαίλι</p> <p><b>ΜΕΤΑΦΡΑΣΗ ΚΑΙ ΕΠΙΜΕΛΕΙΑ ΚΕΙΜΕΝΩΝ ΣΤΑ ΑΓΓΛΙΚΑ</b>          Καλλιόπη Καρούση</p> <p><b>ΜΕΤΑΦΡΑΣΗ ΚΑΙ ΕΠΙΜΕΛΕΙΑ ΚΕΙΜΕΝΩΝ ΑΠΟ ΦΑΡΣΙ, ΑΡΑΒΙΚΑ ΚΑΙ ΟΥΡΝΤΟΥ ΣΕ ΕΛΛΗΝΙΚΑ</b>          DeskNET</p> <p><b>ΤΕΛΙΚΗ ΕΠΙΜΕΛΕΙΑ ΦΑΡΣΙ</b>          Σαάμ Νουρ Ζαντ</p> <p><b>ΤΕΛΙΚΗ ΕΠΙΜΕΛΕΙΑ ΑΡΑΒΙΚΩΝ</b>          Ζαχαρίας Ιωάννου</p> <p><b>ΤΕΛΙΚΗ ΕΠΙΜΕΛΕΙΑ ΟΥΡΝΤΟΥ</b>          Σεΐντ Αμνίντ Ταοφίν</p> <p><b>ΥΠΕΥΘΥΝΗ ΦΩΤΟΓΡΑΦΙΚΗΣ ΥΛΗΣ</b>          Παραστού Χοοσαϊνί</p> <p><b>ΛΟΓΟΤΥΠΟ</b>          Μιχάλης Παπαντωνόπουλος,          Δημήτρης Γαζής</p> <p><b>ΣΕΛΙΔΟΠΟΙΗΣΗ</b>          Λουίζα Καραγεωργίου</p> <p><b>ΔΙΚΤΥΟ ΓΙΑ ΤΑ ΔΙΚΑΙΩΜΑΤΑ ΤΟΥ ΠΑΙΔΙΟΥ</b>          Αλκαμένους 11Β, Στ. Λαρίσης          Τηλ.: 210-8846590          www.ddp.gr          email: diktio1@gmail.com</p>
---	---	---	--

migratorybirds.ddp@gmail.com

Οι απόψεις που εκφράζονται στα άρθρα της εφημερίδας «Αποδημητικά Πουλιά» εκφράζονται από τους συγγραφείς αυτών και δεν αντικατοπτρίζουν κατ' ανάγκη την άποψη του Δικτύου για τα Δικαιώματα του Παιδιού, της UNICEF, της Ευρωπαϊκής Επιτροπής, του Ιδρύματος Ρόζα Λούξεμπουργκ ή του γερμανικού Υπουργείου Οικονομικής Συνεργασίας και Ανάπτυξης.

The opinions expressed in the articles of the newspaper «Migratory Birds» are those of their authors and are not necessarily those of the Network for Children's Rights, UNICEF, the European Commission the Rosa Luxemburg Stiftung – Office in Greece, or the German Ministry of Economic Cooperation.

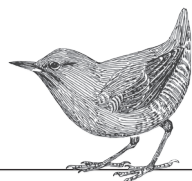
إن الآراء المعبر عنها في جريدة «طيور مهاجرة» إنما تعبر عن محرريها ولا تعكس بالضرورة رأي شبكة حقوق الطفل ،اليونيسيف، المفوضية الأوروبية، مؤسسة روزا لوکسمبورغ، أو وزارة التطوير الاقتصادي والتعاون المشترك الألمانية.

نظراتي که در روزنامه پرنندگان مهاجر بیان میشوند نظرات شخصی نویسندگان است و هیچ اجباری از شبکه برای حق کودکان – یونیسف –هیبت منیره اروپا – وزارت امور خارجه دموکراسی المان و دفتر های رزا لوگزم بورگ نیست .

اخبار " مهاجر پرنده " کے مضامین میں اظہار رائے تمام مصنفین کی ہے نہ کہ بچوں کے حقوق، کے نیٹ ورک اور تعاون کرنے والے یو این آئی سی ایف ، یورپین کمیٹین، روزا لکسمبرگ سٹفنگ . جرمن وزارت اقتصادی تعاون کے یونان میں دفتر کی ہے .

Εάν χρησιμοποιείτε την εφημερίδα μας στην εκπαιδευτική ή σε οποιαδήποτε άλλη δράση, παρακαλούμε ενημερώστε μας με ένα e-mail στο migratorybirds.ddp@gmail.com

If you use our newspaper for educational purposes or as part of any other activity, kindly let us know by emailing us at migratorybirds.ddp@gmail.com



# Υποχρεωτικός γάμος

Της **ΦΑΡΑΝΓΚΙΣ ΖΑΦΑΡΙ**

Είναι πολύ δύσκολο να καταλάβεις τι κρύβουν τα μάτια ενός παιδιού, το οποίο μέσα σε μια νύχτα διανύει τη διαδρομή από την παιδική χαρά και την ευτυχία προς την ενήλικη ταλαιπωρία.

Παιδιά των οποίων η αγκαλιά, αντί να ζεσταίνεται από την τρυφερότητα των γονιών τους, γεμίζει από παιδικά γέλια και κλάματα ενός μωρού που συμπτωματικά βρέθηκε στην αγκαλιά τους.

Μερικές φορές πληροφορούμαστε από συγγενείς και φίλους για τον γάμο ανήλικων κοριτσιών και αγοριών, κάτι που μας φαίνεται περίεργο και το επικρίνουμε.

Κατά το παρελθόν τέτοιοι γάμοι θεωρούνταν εν μέρει φυσιολογικοί, αλλά στη σύγχρονη εποχή, με την εξέλιξη της κουλτούρας και της παιδείας της κοινωνίας, γίνονται όλο και πιο σπάνια. Ωστόσο, για πολλούς και διαφορετικούς λόγους γάμοι μεταξύ ανηλικών εξακολουθούν να συνάπτονται σε κάποιες περιοχές και κοινωνίες.

Οι πρόωροι γάμοι ατόμων κάτω των 18 ετών αφορούν και τα δύο φύλα, ωστόσο τα κορίτσια αποτελούν την πλειονότητα αυτής της παράλογης διαδικασίας.

Τέτοιοι γάμοι πρώτα απ' όλα εξαλείφουν την παιδική αγνότητα και χαρά και στη συνέχεια εμποδίζουν την πρόοδο του

ατόμου και του στερούν τη μόρφωση και την παιδεία.

Τα κορίτσια που αναγκάζονται να συνάψουν τέτοιους γάμους, υφίστανται σωματικές και ψυχολογικές επιπτώσεις εφ' όρου ζωής, κυρίως λόγω πρόωρης εγκυμοσύνης.

Οι γάμοι των ανηλικών δεν αφορούν μόνο τις φτωχές χώρες, αλλά και τις πλούσιες, παρά τις σαφείς απαγορεύσεις και την επισήμανση της πράξης αυτής ως παράνομης.

Μία από τις σημαντικότερες αρνητικές συνέπειες των πρόωγων γάμων είναι η απομάκρυνση του παιδιού από τους γονείς του, γεγονός το οποίο απαγορεύεται, σύμφωνα με το άρθρο 9 της Διεθνούς Σύμβασης για τα Δικαιώματα του Παιδιού, εκτός εάν η απομάκρυνση αυτή θα ήταν προς όφελος του ίδιου του παιδιού. Προφανώς, κάτι τέτοιο δεν υφίσταται σ' αυτήν την περίπτωση.

Άλλες παράπλευρες αρνητικές επιπτώσεις μιας τέτοιας ενέργειας που μπορούν να αναφερθούν είναι η εγκατάλειψη του οικείου περιβάλλοντος και η στέρση από το παιδί των συγκεκριμένων δικαιωμάτων του.

Οι περισσότεροι από αυτούς τους γάμους συνάπτονται έπειτα από τη συγκατάθεση των ίδιων των γονιών των ανηλικών. Είναι γεγονός ότι το άρθρο 13 παρέχει το δικαίωμα της απόφασης στο

ίδιο το παιδί, αλλά είναι επίσης γεγονός ότι τα περισσότερα παιδιά υποκύπτουν στις πιέσεις των γονιών τους.

Οι πρόωροι γάμοι είναι ένα περίεργο έθιμο.

Ποιοι μπορεί να είναι επιτέλους οι τρόποι να σταματήσει αυτή η απαράδεκτη συνήθεια;

Η παιδεία, η διαπαιδαγώγηση και η κοινωνική επιμόρφωση των ανθρώπων, αλλά και η απαραίτητη πληροφόρηση για τις απρόσμενες και δυσμενείς συνέπειες και επιπτώσεις μιας τέτοιας συνήθειας.

Μέχρι να βρεθεί ένας τρόπος να αλλάξει η αντίληψη των ανθρώπων ως προς το θέμα αυτό και να διαμορφωθεί μια σωστή στρατηγική για την αντιμετώπιση αυτής της παράλογης συνήθειας, δεν μπορούμε να είμαστε ήσυχoi με τη συνείδησή μας και να θεωρούμε το θέμα «λήξαν».



παιδί να πρέπει να είναι ευτυχισμένο και να μην φοβάται να μιλήσει. Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης. Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης. Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης.



Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης. Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης. Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης.

## Αزدواج اجباری

Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης. Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης. Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης.

## Κοιμήστε με την ασφάλεια

Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης. Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης. Η ευτυχία είναι το αποτέλεσμα της αλληλεγγύης και της αλληλεπίδρασης.

# Μικροί ένοπλοι άντρες

Αυτό το άρθρο αφιερώνεται στα παιδιά που μεγαλώνουν στο Αφγανιστάν, τα οποία χωρίς τη θέλησή τους και κατόπιν πλύσης εγκεφάλου οδηγούνται στο μέτωπο του πολέμου

Του **ΑΜΠΙΝΤΟΥΛ ΡΑΣΙΝΤ ΜΟΧΑΜΑΝΤΙ**

Εδώ και χρόνια το Αφγανιστάν βρίσκεται σε εμπόλεμη κατάσταση. Σε πολλά σημεία του κόσμου, όπως και στο Αφγανιστάν, η βίαιη αποστολή ανηλικών σε μέτωπα πολέμου γίνεται σκόπιμα από τις ένοπλες δυνάμεις.

Παιδιά κάτω των 18 ετών, αντί να χαίρονται τον κόσμο της ηλικίας τους, εξαναγκάζονται να συμμετέχουν σε πολεμικές επιχειρήσεις.

Σημαντικός αριθμός αυτών των παιδιών σκοτώνεται στο μέτωπο, ενώ όσα διασώζονται αντιμετωπίζουν πολλαπλά ψυχολογικά προβλήματα και συχνά πέφτουν θύματα εκμετάλλευσης από ενήλικους.

Οι ένοπλες δυνάμεις χρησιμοποιούν παιδιά για να μαζεύουν κάλυκες και όπλα από τα πεδία των μαχών, να εντοπίζουν νάρκες, να απομακρύνουν τους τραυματίες από το μέτωπο, αλλά και ως ανθρωπίνη ασπίδα, με αποτέλεσμα πολλά να ακρωτηριάζονται -αν δεν σκοτώνονται- να είναι πλέον ανήμπορα να διαχειριστούν τη ζωή τους. Υπάρχουν επίσης αποδείξεις σύμφω-



**Σημαντικός αριθμός αυτών των παιδιών σκοτώνεται στο μέτωπο, ενώ όσα διασώζονται αντιμετωπίζουν πολλαπλά ψυχολογικά προβλήματα**

να με τις οποίες παιδιά έχουν χρησιμοποιηθεί από τις ένοπλες δυνάμεις σε τρομοκρατικές επιθέσεις αυτοκτονίας με εκρηκτικά. Τα παιδιά αυτά προέρχονται από πολύ φτωχές οικογένειες και για τη συμμετοχή τους σε τρομοκρατικές και πολεμικές ενέργειες δέχονται πολλές υποσχέσεις για οικονομικά ανταλλάγματα.

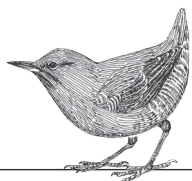
Με την αποστολή τους στο μέτωπο των συγκρούσεων καταπατώνται βασικά δικαιώματά τους. Για παράδειγμα, στερούνται τη στοιχειώδη εκπαίδευση αλλά και το δικαίωμα να ενεργούν αυτοβούλως και να ορίζουν τη μοίρα τους.

Σύμφωνα με το Άρθρο 38 της Διεθνούς Σύμβασης για τα Δικαιώματα του Παιδιού, ανήλικοι κάτω των 15 ετών δεν πρέπει για κανέναν λόγο και με κανέναν τρόπο να έχουν την οποιαδήποτε συμμετοχή σε οποιαδήποτε πολεμική επιχείρηση, αλλά ακόμη και αν συμβεί κάποια πολεμική σύρραξη στη χώρα τους, τότε οι κυβερνήσεις είναι υποχρεωμένες να τους παρέχουν ειδική προστασία.

Εκω φίλους που έχουν ακρωτηριαστεί σε τέτοιες πολεμικές επιχειρήσεις και δυστυχώς είναι πλέον ανήμποροι να διαχειριστούν τη ζωή τους.







# Παίζοντας μαθαίνω, ανακαλύπτω, ζω! , بازی می کنم ، یاد می گیرم ، پی می برم ، زندگی میکنم!

Των **ΦΕΡΕΣΤΕ** και **ΕΛΧΑΜ ΕΣΜΑΪΛΙ**

**Κ**άθε παιδί έχει δικαίωμα στο παιχνίδι και στη χαρά. Όλα τα παιδιά του κόσμου έχουν αυτό το δικαίωμα, δυστυχώς όμως υπάρχουν αρκετοί οι οποίοι δεν το αναγνωρίζουν, δεν το εκτιμούν και δεν το σέβονται. Κάποιες οικογένειες δυσκολεύονται να εκτιμήσουν σωστά αυτό το δικαίωμα επειδή συνήθως έχουν άλλα προβλήματα να αντιμετωπίσουν.

Θεωρητικά, κάθε παιδί έχει δικαίωμα στη χαρά και στο παιχνίδι και κάθε οικογένεια πρέπει αυτό να το σέβεται, ώστε να αποφευχθούν οι μετέπειτα αρνητικές συνέπειες στην ψυχολογία των παιδιών. Και είναι εύκολο, αφού μια οικογένεια θα μπορούσε, για παράδειγμα, να πραγματοποιήσει μία επίσκεψη σε ένα πάρκο ή σε μία παιδική χαρά, κάτι το οποίο αποτελεί ευχάριστη ενασχόληση και φυσικά πρόκειται να δώσει στο παιδί μεγάλη χαρά.

Τα περισσότερα παιδιά στην ηλικία των επτά χρόνων διασκεδάζουν με το να κάνουν βόλτα με την οικογένειά τους σε πάρκα, παιδικές χαρές και εστιατόρια. Επίσης, η οικογένεια πρέπει να προστατεύει τα παιδιά από καθετί επιβλαβές και επικίνδυνο. Πολλά παιδιά συνηθίζουν να παίζουν εκτός σπιτιού και να απολαμβάνουν το περιβάλλον της γειτονιάς, αλλά αυτό δεν είναι και τόσο εύκολο για την οικογένεια αφού έχει τον φόβο μήπως το παιδί τους υποστεί κάποια μορφή προσβολή ή (σεξουαλική) εκμετάλλευση ή ακόμα και να χαθεί ή να αντιμετωπίσει άλλα προβλήματα.

Η διασκέδαση των παιδιών εξαρτάται από το φύλο τους, καθώς τα κορίτσια



παίζουν περισσότερο με τις κούκλες, πηγαίνουν επισκέψεις και παίζουν σκοινάκι, ενώ τα αγόρια ασχολούνται με το ποδόσφαιρο, τα αυτοκινητάκια και τα πλαστικά όπλα. Ωστόσο, τα παιχνίδια εξάσκησης του μυαλού συμβάλλουν στην ανάπτυξη της σκέψης και βοηθούν τη μνήμη των παιδιών.

Είναι γεγονός ότι πολλοί νέοι δεν μπορούν να υλοποιήσουν τα όνειρα και τις επιθυμίες τους. Για παράδειγμα, πολλά κορίτσια που θέλουν να παίζουν βόλεϊ ή ποδόσφαιρο δεν μπορούν να το κάνουν γιατί τους το απαγορεύουν άλλοι άνδρες. Αυτό τις δυσκολεύει πάρα πολύ και αναστέλλει τη χαρά και την επιτυχία τους σε αυτόν τον τομέα.

Παρ' όλο που όλοι σχεδόν οι άνθρωποι στον κόσμο ξέρουν ότι δεν πρέπει να περιορίζουν τα δικαιώματα των παιδιών, δεν προβαίνουν στις κατάλληλες ενέργειες και προσπάθειες με τον κίνδυνο τα παιδιά να αντιμετωπίσουν προβλήματα στο μέλλον.

ο **האם ו פרشته اسماعیلی**

هر کودک این حق را دارد که در مکانی بازی کند و برای تفریح و گردش به بیرون برود.

همه کودکان در جهان است می توانند چندین حقوق داشته باشند و مردم به حقوق کودکانشان احترام گذارند ولی برخی از خانواده ها به دلیل وجود مشکلات زیادی که در زندگی‌شان دارند نمیتوانند و این برای آنها بسیار دشوار است.

یک کودک در هر سنی نیاز به تفریح و سرگرمی دارد تا موجب افسردگی و بی حوصلگی آن نگردد و خانواده کودک باید طوری عمل کنند که حق کودک پایمال نشود. انجام هر کاری می تواند موجب شادی و خوشحالی کودک گردد. برای مثال می توانند برای اتفاق او را به پارک برد چون یک تفریح و یا سرگرمی می تواند کودک را خوشحال و در هوش آن تأثیر بگذارد.

بیشتر کودکان در سنین هفت سالگی می خواهند با خانواده شان برای تفریح به بیرون از خانه بروند مثل: شهر بازی، پارک، رستوران و غیره. همینطور خانواده کودک باید مراقب کودک هایشان باشند که آسیب جسمی به آن ها وارد نشود. بعضی از کودکان عادت دارند که همیشه بیرون از خانه مشغول بازی باشند و حال و هوای تازه ای را هم حس کنند ولی این برای خانواده اش سخت است که کودکش را تنها در بیرون بگذارد البته شاید ممکن است فریب یک مرد را بخورد و مورد آزار و اذیت قرار بگیرد و یا ممکن است راه خانه خود را گم کند، یا با یکی از دوستانش به مشکلات بدی برخورد کند.

سرگرمی از نظر جنسیت کودک فرق دارد چون وسایل بازی مختلفی وجود دارد که بعضی از آن ها مخصوص دختر و یا پسر است. بازی هایی که دختران به آن علاقه دارند: عروسک بازی، مهمان بازی، طناب بازی و غیره.

بازی هایی که پسران به آن علاقه دارند: فوتبال، ماشین بازی، تیراندازی و غیره.

بازی های فکری می تواند به توانایی ذهنی یک کودک کمک کند و کودک بتواند با ذهن خود به بازی بپردازد و انجام بدهد و این کار می تواند تأثیر بسیار زیادی در ذهن کودک بگذارد.

هر چند این موضوع طبق علاقه نوجوانان همیشه درست پیش نمیروند، برای مثال در کشور ما دختران نمیتوانند از ورزش هایی که علاقه دارند به خوبی لذت ببرند چون ورزشی هم چون والیبال یا فوتبال برای دختران نوجوان جلوی چشم مرد ها ممنوع است و همین طور خانواده اجازه نمیدهند و ما دختران به سختی می توانیم فضایی را پیدا کنیم تا از این بازی ها لذت ببریم.

پس بسیاری از مردم میدانند که همه کودکان جهان حق تفریح و سرگرمی دارند و این جزیی از حقوق کودکان می باشد و مردمان باید به حقوقشان احترام بگذارند تا آینده کودکان دچار مشکلات نشود.

## ازادی فردی

سارا حسینی

طبق پیمان نامه جهانی حقوق کودکان هر فردی از حقوقی بسیار بر خوردار است ولی از موضوعی که من می‌خواهم صحبت کنم در این قرار داد چیزی نوشته نشده است

موضوع حریم شخصی هر نوجوان باید به این قرار داد اضافه شود برای مثال داستانی از خودم را می‌نویسم تا بیشتر متوجه این موضوع شوید.

ما در کمپ الینکوزنگی می‌کردیم. ما ان جا کلاس نقاشی داشتیم.من و خواهرم و برادرانم به کلاس نقاشی می‌رفتیم. من نقاشی کردن را زیاد دوست نداشتم.

چندوقتی که گذشت قرار شد با ما بچه ها همراه با استادمان نمایشگاهی برگزار بشود. ما فرصت زیادی نداشتیم. در همان

روزها در کابل انفجاری شده بود. من واقعا ناراحت بودم و حوصله نقاشی کردن را نداشتم. اخبار را دنبال می‌کردم که اطلاعات بیشتری به دست بیآورم. فیلم هاوعکسی های زیادی را دیدم که شهیدان بر روی زمین افتاد بودند. خیابان ها پر از جسدبود و خون. یک عکس ذهنم را درگیر کرده بود ان هم یک پسر جوان بود که بدنش نصف شده بود و از کمر به بالاایش بر روی زمین افتاده بود. هر وقت ان عکس را می‌دیدم گریه ام می‌گرفت چون خیلی دردناک بود.

فرصتی برای نقاشی کردن نمانده بود. روز اخر بود.

ولی من هنوز به انفجاری فکر میکردم. دلم می‌خواست این صحنه را همه ببینند و درکش کنند. همان جوری که من درکش میکردم. دختر و پسر زیادی در تظاهرات برای عدالت کشته شده بودند. داشتم دنبال راه حل می‌گشتم ولی به ذهنم نمی‌رسید.

اعصابم خورد بود. ناراحت بودم نمی‌دانستم چیکار کنم تااین که خواهر کوچیکم آمد و به من گفت امروز روزه اخرهست برای نقاشی کردن و همه به غیر از من نقاشی هایشان را آماده کرده بودند.

یک دفعه تصمیم گرفتم که نقاشی کنم و ان پسر نصف تنه را بکشم. برای اولین بار بود خیلی سخت بود چون تا حالا نقاشی نکشیده بودم و رفتم کلاس شروع کردم رنگ هایی که مانده بود را جمع کرده شروع کردم به نقاشی کشیدن. خیلی سریع کشیدم چون وقتی نمانده بود.وقتی تمام شد.من دستم را زخم کردم و خون دستم را بر روی نقاشی ام کشیدم به علامت دردی چون احساس می‌کردم که من هم در کنار شهیدان هستم. نقاشی

# Ατομική ελευθερία

Της **ΣΑΡΑ ΧΟΨΣΑΪΝΙ**

**Σ**ύμφωνα με τη Διεθνή Σύμβαση για τα Δικαιώματα του Παιδιού, όσοι είναι ανήλικοι έχουν διάφορα δικαιώματα, αλλά αυτό που επιθυμώ να θίξω νιώθω πως στην πράξη δεν συμπεριλαμβάνεται σ' αυτά.

Θέλω να γράψω για την ατομική ελευθερία κάθε νέου παιδιού. Ως παράδειγμα για την καλύτερη αντίληψη του θέματος, θα χρησιμοποιήσω μία προσομοίωση μου ιστορία.

Μέχρι πριν από λίγους μήνες διαμείναμε στον καταυλισμό προσφύγων του Ελληνικού, όπου παρακολουθούσαμε, μεταξύ άλλων δραστηριοτήτων, και μαθήματα ζωγραφικής. Σε εμένα προσωπικά δεν άρεσε και πολύ η ζωγραφική, παρ' όλα αυτά με την αδελφή και τον αδελφό μου παρακολουθούσαμε τα μαθήματα. Μετά από λίγο καιρό προγραμματίστηκε μία έκθεση των έργων που θα δημιουργούσαμε. Ήταν γεγονός ότι δεν υπήρχε και τόσο μεγάλη διάθεση εκ μέρους μου, δεδομένου ότι εκείνη την περίοδο μαθαίναμε για πολλές εκρήξεις στην Καμπούλ και βλέπαμε στις ειδήσεις εικόνες από τους δρόμους της πόλης, γεμάτες σορούς ανθρώπων και αίματα. Ανάμεσα σε αυτές τις εικόνες, μία τράβηξε ιδιαίτερα την προσοχή μου. Ήταν η φωτογραφία ενός νέου, του οποίου το σώμα είχε κυριολεκτικά κοπεί στα δύο. Κάθε φορά η θέα αυτής της εικόνας μου προκαλούσε κλάμα πόνου και δυστυχίας.

Δεν υπήρχε άλλος χρόνος για την έκθεση και ο νους μου δεν μπορούσε να ξεφύγει από την έκρηξη που στοίχισε τη ζωή σ' αυτόν τον νέο.

Επιθυμούσα αυτή η σκηνή να προβληθεί σε όλους, ώστε να αντιληφθούν την έκταση του δράματος και του πόνου, όπως ακριβώς τα αισθανόμουν και εγώ, και να καταλάβουν όλοι ότι στην πόλη μου είχαν σκοτωθεί τόσα κορίτσια και αγόρια σε διαδηλώσεις υπέρ της δικαιοσύνης και της ελευθερίας. Εν μέσω αυτών των συγκεκριμέ-



Σκίτσο της Σαρά Χοσσαινί

νων σκέψεων, η αδελφή μου με ειδοποίησε πως είχε φτάσει η τελευταία μέρα παράδοσης των έργων της έκθεσης και ότι όλοι, εκτός από εμένα, είχαν ολοκληρώσει τα έργα τους.

Τότε ξαφνικά αποφάσισα να ζωγραφίσω εκείνο το παλικάρι με το μισό σώμα εκτεθειμένο στο έδαφος. Μου ήταν πάρα πολύ δύσκολο, αλλά το επιχείρησα. Πήγα στην τάξη μας, συγκέντρωσα τα χρώματα που ήθελα και ξεκίνησα. Θεωρώ ότι πολύ γρήγορα ολοκλήρωσα τον πίνακα. Απ' ό,τι φαίνεται, τόσο εγώ, και η αδελφή μου, αλλά εσύ στην ουσία τι άνθρωπος είσαι. Ελεγε «να πράττετε όπως αντιλαμβάνεστε το σωστό». Αυτή του η φράση έχει χαρακτήρι στην ψυχή μου.

Παρέδωσα τον πίνακά μου στους υπεύθυνους ώστε να τον τοποθετήσουν την άλλη μέρα στην έκθεση. Εφτασε τελικά η

ημέρα των εγκαινίων της έκθεσης... Καμεραμάν, δημοσιογράφοι και σχολιαστές ήταν εκεί. Ενώ δεν πίστευα ότι θα άρεσε ο πίνακάς μου, παρατήρησα ότι υπήρχε έντονο ενδιαφέρον πολλών επισκεπτών.

Στέκονταν με πολλά ερωτήματα μπροστά στον πίνακά μου. Παράλληλα τους εξηγούσα πως ο πίνακας αυτός δεν ήταν παρά η απεικόνιση μιας πραγματικότητας στην πόλη της Καμπούλ. Φωτογράφισαν πολλοί τον πίνακα, αλλά και εμένα. Η ημέρα των εγκαινίων της έκθεσης ήταν πολύ ωραία.

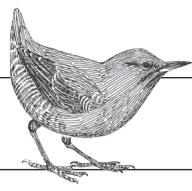
Μετά από λίγες μέρες, ο υπεύθυνος του καταυλισμού μάς έδειξε μια εφημερίδα όπου υπήρχαν φωτογραφίες όλων μας. Τα παιδιά της ομάδας ζωγραφικής, οι δάσκαλοι, εγώ και τα αδέρφια μου. Υπήρχαν ομαδικές φωτογραφίες, αλλά και μία ξεχωριστή δική μου καθώς, όπως μας περιέγραψε ο υπεύθυνος, είχε προκύψει και τηλεοπτική συζήτηση για τα έργα μας, αλλά και για τον δικό μου πίνακα ξεχωριστά.

Μετά από περίπου τέσσερις μήνες, διαπίστωσα ότι κάποιοι είχαν δημιουργήσει μέσω photoshop μία κοινή φωτογραφία μου με έναν άλλον νεαρό και την είχαν εκθέσει στο Facebook, απ' όπου και την είχαν μοιράσει παντού.

Η κίνηση αυτή μου προκάλεσε μεγάλη θλίψη, αλλά και θυμό. Δεν ήθελα να πιστέψω πως κυκλοφορούσαν άμεσά μας τέτοιοι άνθρωποι. Χωρίς να ντρέπονται πράττουν τόση ασχήμια.

Παρά το γεγονός ότι ενημέρωσα τους υπεύθυνους, μετά από λίγες μέρες και πάλι η ίδια επεξεργασμένη με photoshop φωτογραφία εμφανίστηκε στο Facebook, με εμένα, τις αδερφές μου και ένα αγόρι.

Κανείς δεν με ρώτησε για να ανεβάσει τη φωτογραφία μου στο Facebook. Κανείς δεν με ρώτησε για να πάρει αυτή τη φωτογραφία και με photoshop να δημιουργήσει μια άλλη ψευδή, που με προσβάλλει. Κανείς δεν σεβάστηκε τα δικαιώματά μου, που υποτίθεται είναι προστατευμένα.



20 ΝΟΕΜΒΡΙΟΥ - ΠΑΓΚΟΣΜΙΑ ΗΜΕΡΑ ΓΙΑ ΤΑ ΔΙΚΑΙΩΜΑΤΑ ΤΟΥ ΠΑΙΔΙΟΥ - ΚΑΜΠΑΝΙΑ 2017

# «Σωπαίνω, ψιθυρίζω, μιλάω, φωνάζω. Έχω τον λόγο μου!»

Ακόμη έναν Νοέμβριο είμαστε εδώ για να υπενθυμίσουμε σε όλους μας τα δικαιώματα των παιδιών μέσα από την καμπάνια που διοργανώνεται με αφορμή την Παγκόσμια Ημέρα των Δικαιωμάτων του Παιδιού.

Φέτος η καμπάνια εστιάζει στο δικαίωμα της ελευθερίας της έκφρασης και τα παιδιά «έχουν τον λόγο τους!», έναν λόγο που μπορεί να εκφραστεί με διάφορους τρόπους: χαμηλόφωνα ή δυνατά, με ψιθυρο ή ακόμη και μέσα από τη σιωπή.

Το σύνθημά μας, λοιπόν, είναι: «Σωπαίνω, ψιθυρίζω, μιλάω, φωνάζω. Έχω τον λόγο μου!»

Έχει δικαίωμα ένα παιδί να χορεύει; Να τραγουδάει; Να εκφράζεται με το σώμα του; Να εκφράζεται ζωγραφίζοντας; Γράφοντας; Μιλώντας; Έχει δικαίωμα να εκφράζει ελεύθερα τη γνώμη του; Να συμμετέχει στις αποφάσεις που το αφορούν;

Έχει δικαίωμα να ακούνε οι ενήλικοι τη γνώμη του, να τη σεβονται, να τη λαμβάνουν υπόψη ισότιμα;

Όταν συζητάμε για τα δικαιώματα των Παιδιών συνήθως αναφερόμαστε στα δικαιώματα που συνδέονται με τη ζωή, την

οικογένεια, την υγεία, την εκπαίδευση, την προστασία, τις διακρίσεις, αφήνοντας σε δεύτερη μοίρα τα δικαιώματα στην ελευ-

θερία της έκφρασης και της γνώμης, στην ελευθερία σκέψης, συνείδησης και θρησκείας, στην ελευθερία τού να διαλέγουν τους φίλους τους, να συμμετέχουν και να συγκεντρώνονται σε ομάδες, το δικαίωμα του σεβασμού στην ιδιωτική τους ζωή, το δικαίωμα στην πρόσβαση στην πληροφορία.

Συχνά στην καθημερινότητά μας, αντί να ενθαρρύνουμε, ουσιαστικά περιορίζουμε ή αποτρέπουμε την ελεύθερη έκφραση των παιδιών. Με πράξεις και παραλείψεις τα παιδιά δεν είναι ακόμα αυτόνομες προσωπικότητες και η γνώμη τους δεν έχει βαρύτητα ή, ακόμη χειρότερα, δεν μπορούν να έχουν γνώμη γιατί «είναι παιδιά και δεν ξέρουν». Περιορίζοντας στην πράξη την άσκηση των δικαιωμάτων τους, τα εμποδίζουμε να τα γνωρίσουν και να τα κατανοήσουν.

Τα παιδιά διαμορφώνονται ως πολίτες μέσα

από τις πρακτικές του περιβάλλοντος στο οποίο μεγαλώνουν, τις πρακτικές της οικογενείας, του σχολείου, της κοινότητας. Αν το περιβάλλον των ενηλίκων, αντί να ενθαρρύνει την έκφραση της γνώμης τους, στερεί από τα παιδιά ή περιορίζει το δικαίωμά τους αυτό, πώς θα εξελιχθούν σε πολίτες που ενημερώνονται, διαμορφώνουν απόψεις, τις διατυπώνουν και διεκδικούν με επιχειρήματα αλλαγές, είτε σε τοπικό επίπεδο είτε σε παγκόσμιο; Αν οι ενήλικοι δεν ακούνε και δεν λαμβάνουν υπόψη τους τις απόψεις των παιδιών, πώς εκείνα θα γίνουν πολίτες που σεβονται τα δικαιώματα, την έκφραση και τη γνώμη των άλλων;

Τα παιδιά που ενθαρρύνονται να εκφράσουν τις σκέψεις τους και η γνώμη τους γίνεται σεβαστή, αποκοτούν τις βάσεις για να εξελιχθούν σε ενήλικους που θα έχουν την ικανότητα να κατανοήσουν σε βάθος τα δικαιώματα του ανθρώπου και την έννοια της δημοκρατίας, θα μπορούν να οραματιστούν, να τολμήσουν, να δημιουργήσουν και να διακινήσουν νέες ιδέες και απόψεις.

Στο Δίκτυο για τα Δικαιώματα του Παιδιού τα παιδιά «έχουν το λόγο τους!», έναν λόγο που αφουγκραζόμαστε. Οι δράσεις του Δικτύου διευκολύνουν την ενεργοποίηση της κριτικής σκέψης και αποτελούν το μέσο για να εκφραστούν τα παιδιά όπως τα ίδια θέλουν: χαμηλόφωνα ή δυνατά, ακόμη και μέσα από τη σιωπή τους...

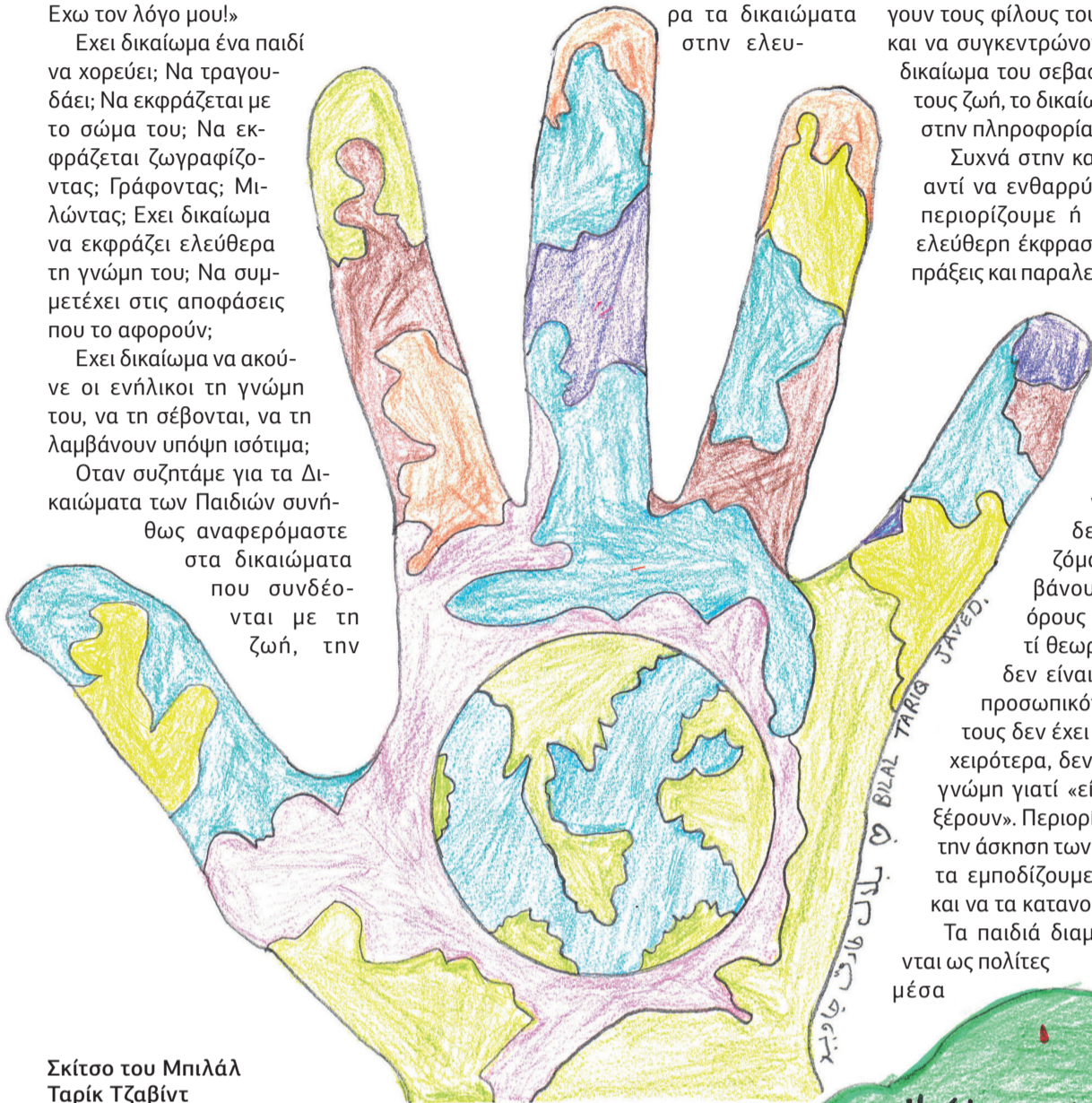
**Δίκτυο**  
για τα δικαιώματα του παιδιού

Αλκομένους 118 | Επαύλειο Ασπίδος  
diktioti@gmail.com | www.dpg.gr | Τηλ. 210 8846990

**Παγκόσμια Ημέρα Δικαιωμάτων του Παιδιού**

Σωπαίνω, ψιθυρίζω, μιλάω, φωνάζω. Έχω τον λόγο μου!

**20**  
Νοεμβρίου  
2017



Σκίτσο του Μπιλάλ Ταρίκ Τζαβίντ



20 نوفمبر - اليوم العالمي لحقوق الطفل - حملة 2017

## «اصمت ، اصرخ ، لي قولي!»

لنوفمبر آخر جديد نحن هنا ، لنذكر أنفسنا نحن جميعاً حقوق الطفل من خلال الحملة التي تنظم بسبب اليوم العالمي لحقوق الطفل.

هذا العام الحملة تركز على الحق في التعبير والأطفال لهم قولهم! « ، قول بالاستطاعة التعبير عنه بطرق مختلفة بصوت منخفض أو مرتفع ، بالهمس أو حتى من خلال الصمت.

شعارنا هو :

« اصمت ، اصرخ ، اصرخ ، لي قولي! » هل هناك الحق للطفل في الرقص؟ أن يعبر بجسده؟ أن يعبر راسماً؟ متكلماً؟ هل له الحق أن يعبر بحرية عن رأيه؟ أن يشارك في القرارات التي تخصه؟ هل له الحق أن يسمع البالغين رأيه وأن يحترمهم؟ وان يأخذوه بعين الاعتبار بمساواة؟

عندما نناقش عن حقوق الطفل ، عادة نذكر الحقوق التي لها علاقة بالحياة ، بالأسرة ، بالصحة ، بالتعليم ، بالحماية ، بالتفرقة ، جاعلين في درجة ثانية الحقوق في حرية التعبير والرأي ، الحرية في التفكير ، الضمير والدين ، الحرية في أن يختاروا أصدقاءهم ، أن يشاركون ويجمعون في مجموعات ، الحق في احترام حياتهم الشخصية ، الحق في الوصول إلى المعلومات.

عادة في حياتنا اليومية ، عوضاً أن نشجع ، عملياً نحدد نضع حدود أو نوقف التعبير الحر للأطفال بأعمال أو سهر منا تعرقل أن يعبروا أو يظهر رأيمهم . وإذا اعطيناهم المكان ، القدرة أن يعبروا ، أن نستمتع إليهم ، ولا نعطيه الأهمية فقط وفق شروط . ربما لاننا نعتبر أن الأطفال ليسوا شخصيات مستقلة بعد و رأيمهم ليس له وزن ، أو الأسوأ من ذلك بأنهم لا يستطيعون أن يكون لهم رأي «انهم أطفال ولا يعرفون» . مقيدون عملياً ممارسة حقوقهم ، ممنوع أن يتعرفوا عليها ويفهمونها.

الأطفال يتشككون مواطنين من خلال أعمال المحيط الذين ينمون فيه ، من أعمال الأسرة ، المدرسة ، والمجتمع . إذا كان محيط البالغين ، عوضاً من أن يشجع التعبير عن رأيمهم ، يحرم الأطفال أو يضع حدود لحقهم هذا . كيف سينتظرون الي مواطنين يصلون إلى المعلومات ويتعلمون ، يكونوا آراء ويطالبون من خلال حجج تغييرات ، على المستوى المحلي أو العالمي؟ إذا لا يسمع البالغون ولا يأخذوا بعين الاعتبار آراء الأطفال ، كيف سيصبح هؤلاء مواطنون يحترمون الحقوق ، التعبير ورأي الآخرين ؟

الأطفال الذين يشجعون على التعبير عن أفكارهم ورأيهم يصبح محل احترام ، يكسبون القواعد لكي يتطوروا إلى البالغين ، الذين سيكون لهم القدرة أن يستوعبوا بعمق حقوق الإنسان ومعنى الديمقراطية ، سيكون مقبورهم أن يتصورون المستقبلي ، أن يتخربون ، أن يخلقون وان يوزعوا أفكار جديدة وآراء .

في شبكة حقوق الطفل ، الأطفال «لهم قولهم!»، قول نستمتع إليه . إن نشاطات الشبكة تسهل تفعيل الفكر النقدي وتكون الوسيلة التي من خلالها يستطيع الأطفال أن يعبروا كما يريدون هم أنفسهم : بصوت منخفض أو عالي ، وحتى من خلال الصمت والتعبير الحر للأطفال .

نہیں دیتے۔ ہم کیوں ایسے ظاہر کرتے ہیں کہ بچے ابھی تیار نہیں ہیں اپنی رائے دینے کے لیے جو کہ ثابت قدم ہو یا ابھی یہ اس قابل نہیں ہیں کیونکہ یہ کچھ نہیں جانتے، ابھی چھوٹے بچے ہیں، ہمیں ان کے حقوق کو محدود نہ کرنے کیلئے جدوجہد کرنی ہوگی۔ ہم ان کو جانتے اور سوچنے سمجھنے سے روک رہے ہیں۔ بچے جب بڑے ہوتے ہیں، تو وہ سیکھتے ہیں جس ماحول میں وہ نشوونما پاتے ہیں۔ جیسے کہ خاندان میں، سکول میں، کمیونٹی میں۔ اگر بڑے بچوں کو اپنی اظہار رائے کی آزادی نہ دیں تو بچے کیسے سیکھیں گے اور کیسے آگے بڑھیں گے اور اپنا حق لیں گے۔ وہ کیسے شامل ہوں گے جہاں سے انہیں معلومات میں اضافہ ہو۔ اور خیالات میں اضافہ ہو۔ اور وہ اپنے خیالات ایک دوسرے سے تبدیل کریں گے اور آگے بڑھیں گے۔ اگر بڑے ان کی بات نہ سنیں اور ان کی سوچ پر توجہ نہ دیں تو پھر وہ کیسے اچھے انسان بنے گے اور ایک دوسرے کے حقوق کی عزت کریں گے۔ جن بچوں کو ہم بولنے یا ان کی اظہار رائے اور ان کے حقوق کی آزادی دیتے ہیں۔ وہ زندگی میں ایک اچھے انسان بنتے ہیں۔ اور ایک اچھی سوچ کے حامل ہوتے ہیں۔ وہ بچے دوسرے لوگوں یا بڑوں کے حقوق کا خیال رکھتے ہیں۔ ان کا احترام کرتے ہیں۔ اس طرح جمہوریت عمل میں آتی ہے۔ اور وہ ہی مستقبل کا سوچتے ہیں۔ اور اچھے خیالات اور اچھی سوچ رکھتے ہیں۔ بچوں کے حقوق کے نیٹ ورک میں بچے " ایک وجہ ان کی ہے " جو وجہ ہم سن رہے ہیں۔ یہ نیٹ ورک کوشش کر رہا ہے کہ آسانی پیدا کر سکے ان کی آزادی سے سوچنے کی جو وہ چاہتے ہیں۔ اور اظہار کر سکیں جیسے وہ چاہیں۔

20 نومبر بچوں کے حقوق کا عالمی دن بچوں کے لیے رہی 2017 "خاموشی، سرگوشیاں، بولنا، شور کرنا، میرے پاس وجہ ہے"

کہ اس نومبر کو بھی ہم یہاں ہیں ، ہم آپ کو یاد کروائیں گے بچوں کے حقوق کیلئے یونیورسل ڈے بچوں کے حقوق کا دن ہے۔ اس دفعہ یہ رہی بچوں کی آزادی کے حق کا اظہار کرے گی " ان کے پاس وجہ ہے ایک وجہ ان کی یہ بھی ہو سکتی ہے۔ جو مختلف طریقوں سے ہے ، اینسٹ بولنا ، زور سے سرگوشیاں کرنا ، یا ابھی بھی خاموشی کے اندر ۔ تو ہمارا نعرہ ہے : " خاموشی ، سرگوشیاں ، بولنا ، شور کرنا ، میرے پاس وجہ ہے " کیا بچے کو ناچنے کا حق ہے ؟ گانا گانے کا ؟ اس کے جسم کے اظہار کا ؟ پینٹنگ کے اظہار کا ؟ لکھانی کا ؟ اور حق حاصل ہے آزادی سے اپنی اظہار رائے کا ؟ فیصلوں میں حصہ لینے کے لئے تشویش ہے۔

کم عمر بچوں کا حق ہے کہ بڑے ان کا مشورہ سنیں ، اور ان کا احترام کریں ، اور اسی طرح غور کریں ؛ جب بات ہوتی ہے۔ بچوں کے حقوق کی تو عام طور پر ہم حوالہ دیتے ہیں حقوق کا جو زندگی سے منسلک ہیں ، فیملی کی صحت کی تعلیم کی تحفظات کی تو اس کی سوچ اور مشورے کو چھوڑ کر ہم دوسرے حقوق کی، سوچنے کی آزادی ، مزہ کے ساتھ جڑنا اور اپنے دوستوں کو چنے کی آزادی ، ٹیموں میں حصہ لے کر توجہ حاصل کرنے کی ، اپنی ذاتی زندگی میں عزت حاصل کرنے کا حق ہے۔

بہت سے مومبر روز جہاں حقوق کودکان کمپین دوہزارو ہفده "سکوت می کنیم ، زمزمه می کنم ، حرف میزنم ، داد میزنم ، این حق من است"

برای یک بار دیگر ماه نوامبر اینجا هستیم ، دوباره به یاد بیایم حقوق کودکان را در کمپین هایی که انجام به فعالیت میکنند با این پیش زمینه در روز جهانی حقوق کودکان.

امسال کمپین تمرکز بر حق آزادی بیان دارد و بچهها این حق را دارند ، حرفی که می توان به روشی دیگر بیان کرد با صدای کم یا بلند ، با زمزمه یا حتی با سکوت .

پس رمز ما این است :

سکوت میکنم ، زمزمه می کنم ، حرف میزنم ، داد میزنم ، این حق را دارم

آیا بچه ای این حق را دارد برقصد؟ آواز بخواند ؟ یا بندش چیزی را بیان کند؟ با نقاشی کردن چیزی را بیان کند؟ با نوشتن؟ با حرف زدن ؟ آیا میتواند به آزادی نظرش را بگوید ؟ در تصمیم هایی که به او مربوط میشوند مشارکت کند؟ این حق را دارد بزرگترها نظرهایش را گوش بدهند ، به او احترام بگذارند ، و در جاهای مناسب استفاده کنند؟

وقتی راجع به حقوق کودکان صحبت می کنیم ، معمولاً فکر می کنیم راجع به حقوق زندگی صحبت می کنیم ، خانواده ، سلامتی و بهداشت ، آموزش ، حمایت ، تمایز ، و قسمت دوم حقوق کودکان را کنار می گذریم مثل آزادی بیان و نظر ، آزادی تفکر ، آگاهی و درک نسبت به دین ، در آزادی کامل دوستانشان را انتخاب کنند ، در گروهها متفاوت شرکت کنند ، مورد احترام قرار گرفتن در زندگی شخصی ، و حق داشتن اطلاعات.

دائم در روز مرگی هایمان به جای اینکه تشویق کنیم بی حواس کودکانمان را محدود می کنیم در طرز آزادی بیان یا حضور کم پیش کودکان مان مانع این می شویم که نظرات و فکرها را برای ما بیان کنند ، که اگر به آنها نیز وقت بدهیم بتوانند بین کنند باز گوش به آنها نمیدهیم ، و نظرهایشان را با نظرهای خودمان برابر میدانیم ، شاید به این دلیل میگوینم بچهها هنوز مستقل نیستند و نظرهایشان جذاب نیست ، یا حتی بد تر ، نمیتوانند نظری داشته باشند چون "هنوز بچه هستند"

در محدوده ایی قرار میگیرند تا نتوانند حقوقشان را تمرین کنند ، مانع می شویم که حقوقشان را شناسند و درک نکنند .

بچهها در محیطی که بزرگ میشوند به عنوان یک شهروند شکل میگیرند در مسائل خانوادگی ، مدرسه ، در اجتماع ، خود بچهها و با محدود بودن حقوقشان ، چطور به عنوان یک شهروند تکامل پیدا کنند به افکارشان شکل و فرم بدهند ، وارد بازار کار شوند یا در محیط اطراف خویش یا در سطح جهانی ؟ اگر بزرگترها توجهی به افکار و نظرهای بچهها نداشته باشند ، چطور بچهها به عنوان شهروند به حقوقشان احترام بگذارند ، به بیان و نظری دیگران؟

بچهها که تشویق میشوند به اینکه نظرانشان و افکارشان را بیان کنند برایشان مورد احترام است ، به این ترتیب فرم تکامل یافته ای پیدا می کنند به امسال بزرگسالان به این ترتیب رضایت مندانه حقوق دیگر افراد را نیز درک می کنند به معنی واقعی

دموکراسی ، این طور می تواند به آینده چشم انداز داشته باشند ، جرأت داشته باشند ، به وجود بیایند و ایدهها و افکار جدیدشان را به واقعیت تبدیل کنند .

در شبکه برای حقوق کودکان بچهها " این حق را دارند !!! یک دلیل که با دقت گوش میدهم فعالیت هایی است که شبکه انجام میدهند بدون اینکه بخواد کسی را قضاوت کند اجازه میدهد به بچهها افکارشان را هر طور که میخواهند بیان کنند :

با صدای کم یا بلند ، حتی زمانی که از میان سکوتشان آزادی کودکان را بیان کنند .

اور معلومات حاصل کرنے کا حق ہے ۔ اکثر اوقات ہم اپنے بچوں کی حوصلہ افزائی نہیں کرتے بنیادی طور پر ہم محدود کرتے ہیں اور روکتے ہیں ان بچوں کو آزادی کے اظہار سے خاص طور پر انہیں نہیں چھوڑتے اپنی سوچ اور اظہار رائے بیان کرنے کیلئے اگر ہم انہیں جگہ دیں اور اظہار کرنے کا موقع دیں لیکن ہم ان کو نہیں سنتے اور ان کی بات کو خاص اہمیت